Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 135 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 14 नवम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

धन की बात जहां आती है, वहां तू-तू, मैं-मैं प्रारंभ हो जाती है।

Accumulation of wealth is always which is guspicious, not its accumulation.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

जशपुर में जनजातीय गौरव यात्रा के समापन समारोह में शामिल हुए केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री

जनजातीय गौरव यात्रा से मिली युवाओं और समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा : मनसुख मंडाविया

युवाओं को विकसित भारत संकल्प अभियान से जुड़ने की अपील की

रायपुर (विश्व परिवार)। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती से दो दिन पूर्व उनके स्मृति में जशपुर में आयोजित जनजातीय गौरव यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय श्रम, युवा एवं रोजगार मामले तथा खेल मंत्री श्री मनसुख मंडाविया, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सहित प्रदेश के मंत्रीगण शामिल हुए। स्थानीय रणजीता स्टेडियम में यात्रा के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री मांडविया ने माई भारत वॉलिंटियर्स द्वारा आयोजित इस यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि यात्रा में शामिल होकर यहाँ की आदिवासी संस्कृति, विरासत, यहाँ की रहन-सहन, वेशभूषा को देखने और जानने का अवसर मिला। इस यात्रा से युवाओं को एकजुट होने और समाज को देश के प्रति जागरूक बनाते हुए उन्हें आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिली है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी से प्रेरणा लेकर समाज आगे बढ़े और देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा विकसित भारत बनाने के संकल्प से जुड़कर देश को विकास के साथ जुड़कर काम करें।

केंद्रीय मंत्री श्री मांडविया ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत के विकास के लिए जो योजनाएं बनाई है, उसमें आप सभी को जुड़ना है। माई भारत एप्लिकेशन में जाकर अपना रजिस्ट्रेशन भी कराना है। केंद्रीय मंत्री श्री मांडविया ने कहा कि सुबह से पदयात्रा करते हुए यहाँ के लोक जीवन का परिचय हुआ। जनजाति समाज सहित अन्य समाज के लोग भी इसमें शामिल नजर आए और जगह-जगह अलग-अलग तरीके से स्वागत, अभिनन्दन करते रहे। जगह-जगह स्टॉल लगाकर पानी पिलाना, फल सहित अन्य खाद्य सामग्री बाटना और यात्रा में शामिल सभी लोगों को प्रोत्साहित करते हुए देखकर खुशी हुई। इस यात्रा के दौरान मैंने भी कुछ लोगों से बात की। मुझे देश का उज्ज्वल भविष्य नजर आया। मैं जान पाया कि हमारा देश आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जनजातीय गौरव यात्रा के सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति आभार भी जताया।

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अन्याय के खिलाफ अंग्रेजों से लोहा लिया। लोगों को उनका हक दिलाने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। युवाओं को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेकर देश को विकसित बनाने के अभियान सहभागी बनना चाहिए। आदिम जाति और अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने भी समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज की पदयात्रा में 15 हजार से अधिक नौजवान शामिल हुए। सभी शुरू से अंत तक पैदल चलकर एकजुटता का संदेश दिया। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को गौरव दिवस के रूप में स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने पीएम जनमन सहित धरती आबा उत्कर्ष योजना से आ रहे बदलाव के बारे में बताया। वित्त मंत्री एवं जशपुर जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने समारोह के अंत में आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंक राम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद श्री राधेश्याम राठिया एवं श्री चिंतामणी महराज, विधायक श्रीमती गोमती साय, श्रीमती रायमुनि भगत, श्री राम कुमार टोप्पो, श्री सुशांत शुक्ला, राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती प्रियम्बदा सिंह जूदेव सहित श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, श्री रणविजय सिंह जूदेव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में युवा और नागरिकगण उपस्थित थे।

'जनजातीय समाज को विकास से जोड़कर गौरव बढ़ा रहे प्रधानमंत्री मोदी'

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आदिवासियों का गौरव लगातार बढ़ रहा है। भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती 15 नवंबर को आज पूरे देश में आदिवासी स्वाभिमान और गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। सर्वोच्च पद पर आज आदिवासी समाज की महिला द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति के रूप में सुशोभित हैं। अति पिछड़े आदिवासियों के विकास को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उच्च प्राथमिकता दी है। पीएम जनमन योजना से जनजातीय समुदाय की तस्वीर बदल रही है। धरती आबा आदिवासी ग्राम उत्कर्ष योजना लॉन्च की गई है और इसके लिए 80 हजार करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेई को भी याद किया। आदिवासियों की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने भारत सरकार में पृथक आदिवासी विकास मंत्रालय का गठन किया। राजधानी रायपुर में 14 और 15 नवंबर को देश भर के आदिवासियों की संस्कृतियों का प्रदर्शन होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने माटी के वीर पदयात्रा समारोह में शामिल होने के लिए केंद्रीय मंत्री श्री मांडविया के प्रति आभार व्यक्त किया। पदयात्रा बेहद सफल रही। उम्मीद से ज्यादा युवा पदयात्रा में शामिल हुए। लोगों को आदिवासी संस्कृति और जनजीवन को निकट से देखने का मौका मिला। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जय, जयकार से पूरा स्टेडियम गुंज उठा।

थम गया वोटिंग का सिलसिला, रायपुर दक्षिण उपचुनाव-2024 में 46 प्रतिशत हुआ मतदान

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के लिए वोटिंग की प्रक्रिया ख़त्म हो गई है। ज्ञात हो रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के लिए सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू हुई थी। वोटिंग करने का निर्धारित समय शाम 6 बजे तक रखा गया था। इस बीच निर्वाचन आयोग ने शाम 5 बजे तक के मतदान का आंकड़ा जारी किया। जानकारी के मुताबिक दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में 50.50 प्रतिशत मतदान हो चुका है।

रायपुर दक्षिण विधानसभा के उपचुनाव में सीधा मुकाबला कांग्रेस-बीजेपी के बीच था। युवा नेता आकाश शर्मा कांग्रेस प्रत्याशी हैं वहीं रायपुर से सांसद रह चुके सुनील सोनी बीजेपी के प्रत्याशी हैं। रायपुर दक्षिण बीजेपी का अभेद किला रहा है। क्योंकि बृजमोहन अग्रवाल रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से आठ बार के विधायक रह चुके हैं। वर्तमान में बृजमोहन अग्रवाल रायपुर के सांसद हैं। बूथों के बाहर सुबह के समय मतदाताओं की लाइनें देखने को मिलीं थी। बता दें कि रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के लिए आज मतदान हुआ, जिसका परिणाम 23 नवंबर को जारी किया जाएगा, इस उपचुनाव में 30 प्रत्याशी मैदान में हैं। इन सभी के भाग्य का किस्मत ईवीएम में कैद हो चुका है। रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर हो रहे उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया. इस दौरान उन्होंने लोकतंत्र में एक-एक वोट का महत्व बताते हुए सभी मतदाताओं से मतधिकार का प्रयोग करने का आह्वान किया था. भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने सदर बाजार स्थित महाराणा प्रताप शासकीय विद्यालय में सपरिवार मतदान किया। वही रायपुर दक्षिण विधानसभा उप चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा ने सुबह-सुबह अपने परिवार के साथ सुंदर नगर स्थित पंडित सुंदर लाल शर्मा स्कूल में मतदान किया. इसके पहले आकाश शर्मा ने मंदिर में हनुमान जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया था।

जशपुर में स्पोर्ट्स स्टेडियम निर्माण की घोषणा

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जशपुर में निकली भव्य पदयात्रा

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में आज छत्तीसगढ़ के जशपुर नगर में जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में माटी के वीर पदयात्रा का भव्य आयोजन हुआ। पदयात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री डॉ. मंडाविया ने देश की आजादी और कोरोना काल में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से हमें प्रेरणा लेना चाहिए, जिन्होंने 25 वर्ष की आयु में मातृ भूमि को आजाद कराने के लिए लड़ाई लड़ी और अपना बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में 6 लाख युवाओं ने अपना बलिदान दिया। उन्होंने युवाओं से विकसित भारत के सपने को पूरा करने का संकल्प लेने तथा सामाजिक सरोकार को बढ़ावा देने के लिए आगे आने का आव्हान किया। डॉ. मंडाविया ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के आग्रह पर जशपुर नगर में सर्व सुविधायुक्त स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण कराए जाने की घोषणा की। माटी के वीर पदयात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम में धरती के आबा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन वृत्त पर आधारित वीडियो फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में खेलकूद सहित अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले जनजातीय युवाओं तथा माई भारत से जुड़े वॉलेंटियर को सम्मानित किया गया।

दैनिक विश्व परिवार की मुख्यमंत्री जी को शुभकामनाएं....

नया रायपुर में नवनिर्मित मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के गृह प्रवेश पर श्रीफल भेंट कर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए दैनिक विश्व परिवार के संपादक प्रदीप जैन एवं प्रियेश जैन। **फोटो- हरिशंकर सोनी**

सरकार ने CISF की पहली महिला बटालियन के गठन को मंजूरी दी

दिल्ली (पीआईबी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि सरकार ने केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) की पहली महिला बटालियन के गठन को मंजूरी दी है।

X प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में गृह मंत्री ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सपने को साकार करने की दिशा में मजबूत कदम उठाते हुए मोदी सरकार ने CISF की पहली महिला बटालियन की स्थापना को मंजूरी दे दी है। एक विशिष्ट सैन्य टुकड़ी के रूप में गठित की जाने वाली महिला बटालियन देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, जैसे हवाई अड्डों और मेट्रो रेल की सुरक्षा और कमांडो के रूप में VIP सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी संभालेगी। यह निर्णय निश्चित रूप से राष्ट्र की रक्षा के महत्वपूर्ण कार्य में भाग लेने की और अधिक महिलाओं की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल उन महिलाओं के लिए पसंदीदा विकल्प रहा है जो केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल में देश की सेवा करना चाहती हैं। वर्तमान में बल में महिलाओं की संख्या 7त्न से अधिक है। महिला बटालियन के जुड़ने से देश की अधिक महत्वाकांक्षी युवा महिलाओं को CISF में शामिल होने और देश की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे CISF में महिलाओं को एक नई पहचान मिलेगी।

जनजातीय गौरव दिवस

राजधानी में दो दिनों तक बिखरेगी आदिवासी लोक नृत्यों की छटा

जनजाति गौरव दिवस पर पूर्वोत्तर राज्यों के कलाकार अपनी संस्कृति की दिखाएंगे झलक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 नवंबर को वर्चुअली छत्तीसगढ़ के कार्यक्रम में होंगे शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती-जनजातीय गौरव दिवस पर राजधानी रायपुर स्थित साइंस कॉलेज मैदान में 14 और 15 नवंबर को दो दिवसीय राज्य स्तरीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस मौके पर जमुई बिहार से छत्तीसगढ़ के कार्यक्रम में वर्चुअली रूप से जुड़ेंगे। श्री मोदी इस इस दौरान पीएम जनमन योजना के तहत् लाभान्वित हितग्राहीयों कि चर्चा भी करेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 15 नवंबर को दोपहर 10.30 बजे से शुरू हो रहे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। आदिमजाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में दो दिवसीय जनजातीय गौरव दिवस के भव्य आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों के साथ पूर्वोत्तर राज्यों के कलाकार भी अपनी संस्कृति की झलक बिखेरेंगे। 14-15 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देने पूर्वोत्तर भारत के पांच राज्यों मेघालय, मिजोरम, असम, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के कलाकार रायपुर पहुंच चुके हैं। रायपुर रेलवे स्टेशन पर कलाकारों का पुष्पाहार और तिलक लगाकर स्वागत किया गया। पूर्वोत्तर राज्यों से आए ये कलाकार वांगला-रुंगला, रेट-किनॉन्ग, गेह पदम ए ना-न्यी ई, सोलकिया जैसे लोक नृत्यों की प्रस्तुति से अपनी संस्कृति के विविध रंग बिखेरेंगे।

वांगला-रुंगला, रेट-किनॉन्ग, गेह पदम ए ना-न्यी ई और सोलकिया आदिवासी नृत्यों की देंगे प्रस्तुति

जनजातीय गौरव दिवस पर प्रस्तुति देने मेघालय से 20 सदस्यों की टीम रायपुर आई है। यह दल गारो जनजाति द्वारा फसल कटाई के बाद किया जाने वाला वांगला-रुंगला लोक नृत्य प्रस्तुत करेगी। इसके कलाकार मेघालय की राजधानी शिलांग से करीब 200 किलोमीटर दूर नॉर्थ कर्व हिल्स से आए हैं। दल का नेतृत्व कर रहे श्री मानसेन मोमिन ने बताया कि वांगला गारो जनजाति का लोकप्रिय त्योहार है। यह जनजाति कृषि अर्थव्यवस्था पर निर्भर है। फसल कटाई के बाद उर्वरता के देवता मिसी सालजोंग को धन्यवाद देने के लिए वे यह नृत्य करते हैं। वे फसल उपलब्ध कराने के लिए भगवान को धन्यवाद देते हैं, उनकी पूजा कर नाच-गाकर प्रार्थना करते हैं और नई फसल का भोग लगाते हैं। देवता मिसी सालजोंग को धन्यवाद देने से पहले किसी भी कृषि उत्पाद का उपयोग नहीं किया जाता है। वांगला-रुंगला आदिवासी लोक नृत्य में महिला और पुरुष दोनों हिस्सेदारी करते हैं। पुरुष नर्तक अपना परंपरागत ढोल लेकर नृत्य करते हैं जिसे दामा कहा जाता है। वांगला-रुंगला लोक नृत्य में नर्तकों का नेतृत्व करने वाले को ग्रिकगिपा या तोरेगिपा कहा जाता है। इसमें महिलाएं संगीत की धुन पर अपने हाथ हिलाती हैं, जबकि पुरुष अपने परंपरागत ढोल को बजाकर नृत्य करते हैं। मिजोरम की राजधानी आईजोल से रायपुर पहुंची लोक नृत्य दल यहां सोलकिया नृत्य की प्रस्तुति देगी। इसके 20 सदस्यों के दल में 11 पुरूष और नौ महिलाएं शामिल हैं। यह नृत्य मुख्यत: मिजोरम की मारा जनजाति द्वारा किया जाता है। 'सोलकिया' का अर्थ दुश्मन के कटे हुए सिर से है। सोलकिया नृत्य मूल रूप से दुश्मनों पर जीत का जश्न मनाने के लिए किया जाता था। खासकर उस मौके पर जब विजेता द्वारा दुश्मन का सिर ट्रॉफी के रूप में घर लाया जाता था। लेकिन अब यह सभी महत्वपूर्ण अवसरों पर मिजो समुदायों के पुरुषों और महिलाओं द्वारा किया जाता है। मिजोरम के कलाकारों के दल का नेतृत्व कर रहे श्री जोथमजामा ने बताया कि सोलकिया नृत्य की शुरुआत पिवी और लाखेर समुदायों द्वारा की गई थी। इस लोक नृत्य के साथ आने वाला स्वर संगीत गायन की तुलना में मंत्रोच्चार के अधिक निकट है। ताल संगीत एक जोड़ी घड़ियों द्वारा प्रदान किया जाता है, जो एक दूसरे से बड़े होते हैं, जिन्हें डार्कहुआंग कहा जाता है। संगीत को बेहतर बनाने के लिए कई जोड़ी झांझ भी बजाए जाते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, गुरुवार 14 नवम्बर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री से राज्यपाल श्री डेका ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री श्री सी. आर. पाटिल जी से आज नई दिल्ली में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ के विकास से संबंधित विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर राज्यपाल के परिजन भी उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी सहायिका के एक पद के लिए भर्ती हेतु 27 नवम्बर तक आवेदन आमंत्रित

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत लवन एकीकृत बाल विकास परियोजना में आंगनबाड़ी सहायिका के 1 रिक्त पद पर भर्ती की जाएगी। जिसमें आंगनबाड़ी सहायिका के लिए तिल्दा आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-3 शामिल है। आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए आठवीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। यह पद केवल महिलाओं के लिए है। आवेदन करने के अंतिम तिथि 27 नवम्बर 2024 तक कार्यालयीन समय में सायं 5.30 बजे तक कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना लवन जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) के पते पर अपना आवेदन पत्र पंजीकृत डाक के माध्यम से जमा कर सकते है।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को जैन मिलन का प्रतिनिधिमंडल ने किया आमंत्रित

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर एयरपोर्ट पर आज केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को जैन मिलन का प्रतिनिधिमंडल 17 तारीख तक होने वाले स्वर्णिम जयंती समारोह के लिए कार्ड देकर आमंत्रित किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया जी को आचार्य श्री संजय मुनि जी का आशीर्वाद दिए जाने की जानकारी आचार्य संजय मुनि जी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप जैन बाकलीवाल देते हुए जय जिनेंद्र किया इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव शाह जी को लाभचंद बाफनाजी के नेतृत्व में केदार गुप्ता जी के साथ रायपुर विमानतल पर मुख्यमंत्री को कार्ड देते हुए आमंत्रित किया जिस पर उन्होंने अपना भाषण दिया जैन मिलन के अध्यक्ष मुकेश जैन मंत्री संजय चतुर भागचंद जैन अनुपम जैन प्रदीप जैन बाकलीवाल जिस पर मनसुख भाई ने आपको नमोस्तु कहा प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के साथ जैन मिलन का प्रतिनिधि मंडल स्वल्पाहार ग्रहण करते हुए उन्हें आमंत्रण कार्ड भेंट किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण शाह जी को भी कार्ड देते हुए श्री ओपी चौधरी जी श्रीमान केदार गुप्त सच्चिदानंद सुंदरानी भावना वोहरा विधायक स्वागत किया।

खाटू श्याम के जन्मोत्सव पर निकली विशाल निशान यात्रा

रायपुर (आरएनएस)। पूरे देश भर में ग्यारस की एकादशी पर श्री खाटू श्याम जी का जन्मउत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। उसी के तहत छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर शहर में श्याम भक्तों श्री श्याम मासिक एकादशी निशान यात्रा गुढियारी द्वारा निकाली गई। विशाल निशान यात्रा पूरे शहर के मुख्य मार्ग प्राचीन हनुमान मंदिर गुढियारी से प्रारंभ होकर नर्मदा पारा, स्टेशन चौक, तेलघानीनाका, राठौर चौक, रामसागरपारा से होते हुए श्री रायपुर धाम खाटू श्याम मंदिर समता कॉलोनी पहुंची। श्री खाटू श्याम जी के जन्मदिन को बड़ी धूमधाम से मनाया गया, पूरे शहर में हारे का सहारा खाटू श्याम हमारा का गुणगान गूंज रहा था।

बस्तर ओलंपिक ने वनांचल के युवाओं को दिया नया मंच, खेलों में बढ़ा उत्साह

कबड्डी के विजेताओं ने बस्तर ओलंपिक के लिए जताया मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार

रायपुर (विश्व परिवार)। जनजातीय बाहुल्य और माओवाद प्रभावित बस्तर संभाग में खेल के माध्यम से विकास और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा बस्तर ओलंपिक-2024 का आयोजन किया गया है। इस आयोजन को लेकर युवाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है, जिसमें सुदूर गांवों से आए युवा अपने खेल कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस पहल को जनजातीय संस्कृति और पारंपरिक खेलों के संरक्षण के साथ ही, युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया है।

नारायणपुर जिले में विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 09 से 16 नवंबर तक किया जा रहा है, जिसमें नारायणपुर विकासखंड हेतु प्रतियोगिता का आयोजन 09 से 11 नवंबर तक नारायणपुर के परेड ग्राउंड और खेल परिसर में किया गया, जिसमें जिले के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ओरछा विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता 14 से 16 नवंबर तक, फिर 19 से 21 नवंबर तक जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जिले भर के खिलाड़ियों को भाग लेने को मौका मिलेगा।

नारायणपुर में हुए आयोजन में बोरावण्ड गांव से आए युवाओं ने बताया कि उन्हें इस कार्यक्रम में भाग लेकर अत्यधिक आनंद मिल रहा है। खिलाड़ियों ने बताया कि यहां उन्हें ठहरने, भोजन, पेयजल और

ड्रेस जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। बोरावण्ड के खिलाड़ी जयसिंह, रजनु यादव, अमर सिंह मंडावी, सियालाल नाग और उनके साथी बस्तर ओलंपिक में अपने खेल को निखारने के इस अवसर के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अबूझमाड़ के सुदूर पहुंचविहीन गांव के प्रतिभावान युवाओं के खेल प्रतिभा को निखारने के लिए यह उनकी सराहनीय पहल है। उन्होंने बताया कि कबड्डी पुरुष वर्ग में उनकी टीम ने विकासखंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए उन्हें ट्रॉफी, मेडल और टीम को ड्रेस प्रदान किया गया। जिला स्तर के आगामी आयोजन के लिए उनकी टीम अत्यधिक उत्साहित है और श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षा और आधारभूत सुविधाओं में लगातार सुधार हो रहा है। इस क्षेत्र में माओवादी घटनाओं में कमी आई है और लोगों का जीवन स्तर भी बेहतर हो रहा है। अबूझमाड़ के संवेदनशील इलाकों में सड़क, बिजली, पानी, आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूल और उप-स्वास्थ्य केंद्र जैसी बुनियादी सुविधाएं स्थापित की जा रही हैं। ईरकभट्टी, मसपुर और गारपा जैसे दूरस्थ गांवों तक अब पक्की सड़कें बन चुकी हैं, जिससे इन गांवों के निवासियों को शहरों और बाजारों से जोड़ने में आसानी हो रही है। नारायणपुर से गारपा और मसपुर तक बस सेवाओं की शुरुआत भी इस क्षेत्र के विकास में एक अहम कदम है, जिससे लोगों को यातायात में सहूलियत मिल रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय के कुशल नेतृत्व और विकासोन्मुख नीतियों का सकारात्मक असर अबूझमाड़ के जनजीवन पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। सुरक्षा में वृद्धि, सड़क संपर्क, और विभिन्न सुविधाओं की उपलब्धता ने यहां के निवासियों को राजधानी और अन्य शहरी क्षेत्रों से जोड़ने का कार्य किया है। अबूझमाड़ के लोग अब अपने गांवों में रहते हुए भी बेहतर अवसर प्राप्त कर रहे हैं और विकास की मुख्यधारा में सम्मिलित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय का मानना है कि ऐसे आयोजन न केवल युवाओं को खेल के माध्यम से एक मंच प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें सामाजिक और मानसिक रूप से भी सशक्त बनाते हैं। उनके नेतृत्व में बस्तर संभाग में खेल प्रतिभा के विकास और युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव का यह प्रयास प्रशंसनीय है।

एम्स रायपुर में यौन उत्पीड़न के प्रति जीरो टॉलरेन्स पॉलिसी, व्यापक POSH अधिनियम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। 12 नवंबर 2024 को एम्स रायपुर की आंतरिक शिकायत समिति (ICC) ने कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा को बढ़ावा देने और यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए POSH (PREVENTION OF SEXUAL HARASSMENT ACT-2013) अधिनियम, 2013 के तहत एक अत्यंत प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्य, छात्र और स्टाफ ने भाग लिया, जहां अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और रचनात्मक चर्चा करने का अवसर मिला।

मुख्य अतिथि शमिता चक्रवर्ती ने एक प्रेरणादायक संबोधन दिया, जिसमें यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए नैतिक और प्रक्रियात्मक उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने एक सम्मानजनक वातावरण बनाने में मानवीय मूल्यों, नैतिक आचरण और बुनियादी शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया और बताया कि किस प्रकार नैतिक और आध्यात्मिक सिद्धांतों का समावेश एक निवारक दृष्टिकोण के रूप में कार्य कर सकता है।

ICC की अध्यक्ष डॉ. एली महापात्रा ने कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सुरक्षित और सहायक माहौल बनाए रखने के लिए सक्रिय कदम उठाने के महत्व पर जोर दिया। ICC की सदस्य सचिव, उपासना के. सिंह ने POSH अधिनियम के तहत संवैधानिक और कानूनी सुरक्षा उपायों का गहन विवरण प्रस्तुत किया, भारतीय दंड संहिता के प्रासंगिक अनुभागों पर प्रकाश डाला ताकि प्रतिभागियों को सशक्त किया जा सके। इसके साथ ही, ICC के सदस्य डॉ. दीपक डी'सूजा ने समिति की प्रक्रियाओं की जानकारी दी, जिसमें शिकायतों की निष्पक्षता और जवाबदेही बनाए रखने के लिए समीक्षा और जांच की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला।

एम्स रायपुर के निदेशक और ष्टश्वह्व, लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने अपने मुख्य भाषण में स्पष्ट किया कि एम्स में किसी भी प्रकार के यौन उत्पीड़न के प्रति जीरो टॉलरेंस है और यह भी कहा कि पुरुष स्वास्थ्यकर्मियों को हमेशा महिला मरीजों की जांच किसी अन्य महिला की उपस्थिति में ही करनी चाहिए। उन्होंने POSH अधिनियम, 2013 के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

गुणवत्ता पूर्ण सेवाओं हेतु आयुष्मान आरोग्य मंदिर ठेलकी हुआ एनक्यूएएस प्रमाणित

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। जिले में स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा उच्च गुणवत्तापूर्ण सेवा आम जनता को उपलब्ध करवाने बाबत लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस कड़ी में स्वास्थ्य केंद्रों का राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन कर उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाता है। बेहतर सेवाओं के लिए विकास खण्ड बलौदाबाजार के आयुष्मान आरोग्य मंदिर ठेलकी ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र हासिल किया है। इसे 100 में से 86.83 प्रतिशत अंक हासिल हुए हैं। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश कुमार अवस्थी ने बताया की ठेलकी का एनक्यूएएस जिले का पहला वर्चुअल मूल्यांकन था जिसमें समस्त दस्तावेजों का निरीक्षण ऑनलाइन किया गया साथ ही मूल्यांकन कर्ता डॉ प्रवीर गुप्ता तथा श्री एन एस आर हरिकृष्ण द्वारा वीडियो के माध्यम से पूरी संस्था को देखते हुए स्टाफ, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा मरीजों का भी इंटरव्यू लिया गया। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिजीत बैनर्जी तथा इस सेक्टर रिसदा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी अविनाश केसरवानी के अनुसार इस एनक्यूएएस में आयुष्मान आरोग्य मंदिर द्वारा दी जा रही बारह सेवाओं की गुणवत्ता का परीक्षण टीम द्वारा किया गया। इसमें प्रसव पूर्व देखभाल, नवजात शिशु देखभाल, परिवार नियोजन, संचारी तथा गैर संचारी रोग प्रबंधन,

मानसिक स्वास्थ्य, आपातकालीन सेवा, बाल एवं किशोर स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा सम्मिलित हैं। जिला कार्यक्रम प्रबंधक सृष्टि मिश्रा ने बताया की आयुष्मान आरोग्य मंदिर ठेलकी 8 गाँवों की 7 हज़ार 5 सौ 51 जनसंख्या को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करता है। इसमें ठेलकी सहित चाँपा, खम्हरिया, भरूवा डीह, चिचोली, पौसरी, ढाबाडीह, खेलवारडीह सम्मिलित हैं। जबकि कुल पंचायत चार हैं। गौरतलब है जिले में जिला अस्पताल, पीएचसी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित अब तक 19 स्वास्थ्य केंद्र एन क्यू ए एस प्रमाणित हो चुके हैं। जबकि इसे मिलाकर अब रिसदा सेक्टर के चार में से दो स्वास्थ्य केंद्र एन क्यू ए एस प्रमाण पत्र धारित हो गए हैं। ठेलकी केंद्र में सी एच ओ दीपिका साहू, आरएचओ हेमलाल ठाकुर तथा सुरेखा गायकवाड़ अपनी सेवा देते हैं।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने स्थानीय निकाय निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारियों की ली बैठक

कोई भी पात्र मतदाता मतदान से वंचित न हो : राज्य निर्वाचन आयुक्त : अजय सिंह

अब रजिस्ट्रीकरण अधिकारी स्वप्रेरणा से जोड़ सकते हैं मतदाता सूची में नाम

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने स्थानीय निकाय निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारियों की विडियो कान्फ्रेंसिग के माध्यम से समीक्षा बैठक ली। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को सुचारू और निष्पक्ष ढंग से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में विभिन्न अहम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई ताकि चुनाव संबंधी सभी प्रक्रियाएं समय पर और सही तरीके से संपन्न हो सकें।

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन नामावली को पूर्ण रूप से सही बनाया जाये। नामावली में किसी भी तरह की त्रुटि को दूर करने के निर्देश दिए ताकि हर योग्य मतदाता का नाम सूची में शामिल हो और वे अपने मतदान का अधिकार सुनिश्चित कर सकें। उन्होंने कहा कि 1 अक्टूबर 2024 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी मतदाता का नाम सूची में आवश्यक रूप से शामिल हो। श्री सिंह ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया के संबंध में कहा कि अब शासन द्वारा प्रावधान में संशोधन उपरांत निर्धारित प्रारूप में आवेदन के द्वारा तथा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा स्वप्रेरणा से किया जा सकता है। उन्होंने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को एक अक्टूबर की स्थिति में सभी योग्य मतदाताओं के नाम जोड़े जाने के संबंध में प्रमुखता से कहा।

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने रिटर्निंग ऑफिसर और सहायक रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति के संबंध में कहा कि योग्य और प्रशिक्षित कर्मियों की नियुक्ति सुनिश्चित करें ताकि चुनाव के दौरान सभी प्रक्रियाएं सही ढंग से हो सकें। इन अधिकारियों का चुनाव प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान होता है, इसलिए उनकी नियुक्ति में पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने चुनाव कर्मियों की व्यवस्था और प्रशिक्षण के बारे में सभी जिले के कलेक्टर्स से जानकारी ली और चुनाव में संलग्न होने वाले सभी कर्मियों की उचित व्यवस्था और प्रशिक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव कर्मियों को प्रशिक्षण देने से वे चुनाव के दौरान आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम होंगे। उन्होंने अधिकारियों को समय पर और उच्च-स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए ताकि चुनाव के दिन किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो। उन्होंने कर्मचारियों की समुचित व्यवस्था के लिए पास के जिले से समन्वय बनाने कहा। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री सिंह ने निर्वाचन सामग्री की व्यवस्था के संबंध में कहा कि सभी आवश्यक सामग्री समय से उपलब्ध हो। इसके अलावा, इन सामग्रियों की गुणवत्ता पर भी ध्यान देने के लिए कहा ताकि चुनावी प्रक्रिया में किसी प्रकार की कमी न रह जाए। समीक्षा बैठक में बजट आबंटन और आवश्यकताओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए पर्याप्त बजट होना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से चुनाव में आवश्यक सभी बजट प्रावधानों और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने आम नागरिकों की सहायता हेतु निर्वाचन से संबंधित समस्त कार्यवाही के लिए जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष एवं शिकायत सेल की स्थापना करने कहा।

कृषि महाविद्यालय रायपुर बना ओवर ऑल चैम्पियन

पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में 11 से 13 नवम्बर 2024 तक आयोजित पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन आज कृषि महाविद्यालय, रायपुर के स्पार्ट्स कॉम्पलैक्स में किया गया। इस अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित पूर्व जोन के 7 महाविद्यालय के लगभग 270 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस तीन दिवसीय पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ 11 नवम्बर को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने किया था। पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता के समापन आवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि महाविद्यालय, रायपुर के अधिष्ठाता डॉ. जी.के. दास ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टुटेजा, निदेशक प्रक्षेत्र एवं बीज डॉ. राजेन्द्र लाकपाले, अधिष्ठाता खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रायपुर डॉ. ए.के. दवे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में 186 अंक प्राप्त कर कृषि महाविद्यालय, रायपुर ओवर ऑल चैम्पियन रहा। वहीं 88 अंक के साथ कृषि महाविद्यालय, भाटापारा ओवर ऑल द्वितीय स्थान पर एवं 50 अंक के साथ कृषि महाविद्यालय, मर्रा पाटन ओवर ऑल तृतीय स्थान पर रहा। मुख्य अतिथि डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि जो प्रतिभागी इस पूर्वी क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में विजयी हुए है वे आने वाली विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली अंतर क्षेत्रीय खेल-कूद प्रतियोगिता की तैयारी करें। उनहोंने काहा कि जिन प्रतिभागियो को इस प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त नहीं हुई वे आने वाले वर्ष में आयोजित होने वाले खेल-कूद प्रतियोगिता की तैयारी करें। उन्होंने विजयी प्रतिभागियों से आव्हान किया कि वे इस तरह का प्रदर्शन राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले खेल-कूद प्रतियोगिता में भी करें जिससे विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर उंचा हो सके।

कृषि महाविद्यालय परिसर में 11 से 13 नवम्बर, 2024 तक आयोजित पूर्व क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता में विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें बालक वर्ग की 100 मीटर दैड़ प्रतियोगिता में कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर के अक्षय कुमार को प्रथम एवं कृषि महाविद्यालय, रायपुर के जरनीश कुमार का द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, भाटापारा की संध्या नेताम को प्राथम एवं कृषि महाविद्यालय, रायपुर की बसंती नेताम को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। बालक वर्ग की 200 मीटर दैड़ प्रतियोगिता में कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर के अक्षय कुमार को प्रथम एवं कृषि महाविद्यालय, रायपुर के लिहर्ष गजभिये को द्वितीय स्थाप प्राप्त हुआ।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कॉलोनी बोरियाकला, रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत **एल.आई.जी फ्लैट क्र.-199 ब्लॉक-13, प्रथम तल, श्री कमलेश देवांगन पिता श्री राजू लाल देवांगन,** के नाम पर इस कार्यालय का नामांतरण आदेश क्र. 137 दिनांक 29.04.2015 के माध्यम से नामांतरित है। आबंटी द्वारा फ्लैट का पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक 06.05.2010 को लीजडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र क्रमांक 447 दिनांक 24.01.2012 को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। नामांतरित आंबटी **श्री कमलेश देवांगन पिता श्री राजू लाल देवांगन,** उक्त फ्लैट को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट को **क्रेता श्रीमती प्रियंका कुमारी सिंग पति श्री दीपक कुमार** निवासी: पूर्व ठाकुरबारी पूर्व टोला चेरो जिला-नालंदा बिहार के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/ भवन/ फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 522 दिनांक 13.11.2024
वार्ड का नाम- रविशंकर शुक्ल वार्ड
वार्ड क्र. 13 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **13** मांग **पंजी क्र. 571 युआईडी 17147** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **बसंतबाई नाग / कुलेश्वर नाग** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **दीपक साहू / चिंता साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **13-12-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 523 दिनांक 13.11.2024
वार्ड का नाम- छत्रपति शिवाजी वार्ड
वार्ड क्र. 15 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **15** मांग **पंजी क्र. 551 युआईडी 19283** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **पुखराज भार्गव / परदेशी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **महेन्द्र कुमार बंजारे / पुनु राम बंजारे** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **13-12-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया - कबीरधाम (छ.ग.)
ई कोर्ट क्र. 202410081700018
ब/121 वर्ष 2023 - 24
ग्राम - सेमों प.ह.नं. 10

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामजी साहू पिता बाबूराम साहू निवासी सेमो तहसील पिपरिया जिला - कबीरधाम ने भू - दान से प्राप्त ग्राम सेमों प.ह.नं. 10 में स्थित भूमि ख. नं. 149 रकबा नं. 0.134 हे. भूमि को मकान निर्माण व अपने पोते की विवाह हेतु रकम की आवश्यकता पड़ने से विक्रय करने के अनुमति मिलने बाबत, कलेक्टर महोदय कबीरधाम के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो उक्त प्रतिवेदन हेतु अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कवर्धा के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा / आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायाल में नियत समय व तिथि तक दावा - आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 05/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया। पेशी दिनांक 14/11/2024

तहसीलदार
पिपरिया

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर गुरूवार 14 नवंबर 2024

लोक निर्माण विभाग के सड़क निर्माण में हो रहा व्यापक भ्रष्टाचार ग्रामीणों ने लगाए गंभीर आरोप जांच कि की मांग

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- लोक निर्माण विभाग सूरजपुर द्वारा केतका- सलका- राजापुर-परशुरामपुर- रामानुजनगर- माजा- कुंड़ेली मार्ग, लंबाई 26.26 कि.मी. लागत राशि - 5644.32 लाख कार्य में ठेकेदार तथा संबंधित तकनीकी अमला पर ग्रामीणों ने भर्राशाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क का अत्यंत घटिया स्तर का निर्माण कार्य किया जा रहा है , जिस व्यापक अनियमितता एवं भ्रष्टाचार के कारण जहां शासन के करोड़ों रुपए को हड़पा जा रहा है वहीं सड़क के गुणवत्ता विहीन निर्माण से से हम सब दु:खी है जनता में व्यापक रोष उत्पन्न हो रहा है , जिससे उग्र जनआंदोलन भी किया जा सकता है।

ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व विधायक खेलसाय सिंह के कार्यकाल में उक्त सड़क निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई थी और निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया था परंतु ठेकेदार एवं संबंधित तकनीकी अधिकारियों के मिलीभगत से गुणवत्ता विहीन कार्य किया जा रहा है । रामानुजनगर से मांजा मोड़ तक किए गए सड़क निर्माण कार्य में बेस पर मिट्टी पटाई में वाटरिंग एंड कम्पेक्शन ही नहीं किया गया है साथ ही जी एस बी सहित डब्बलु.एम.एम. कार्य भी मानक के विपरीत किया गया है ।

डब्बलू.एम. एम.में 75एम एम के दो पृथक- पृथक लेयर बिछाकर वाटरिंग एंड कंम्पेंशन किया जाना था परंतु जी.एस.बी. बिछाकर हल्का रोलिंग कर डब्लू. एम. एम. का अनुपात विहीन ड्राई मटेरियल एक ही लेयर में जे. सी. बी. एवं ग्रेडर से बिछाकर टैंकर से पानी डालकर रोलिंग किया गया है , जबकि डब्बलु. एम. एम. मटेरियल निर्धारित अनुपात में मिक्सिंग प्लांट से मिक्स गीला मटेरियल पेवर मशीन के माध्यम से 75 मिमि के दो लेयर में बिछाकर दोनों लेयर का पृथक -पृथक पावर रोलर से रोलिंग एवं कॉम्पेक्शन होना चाहिए था जिसका घोर उल्लंघन कर भ्रष्टाचार किया गया है । बी. टी. कार्य भी प्राकलन अनुरूप सेंसर पेवर मशीन से नहीं किया गया है तथा रोलिंग एवं कॉम्पेक्शन भी अत्यंत कम किया गया है , जिससे बी. टी. सड़क निर्माण में निर्धारित गुणवत्ता का अभाव है तथा सड़क में जर्क / इंडोलेशन अत्यधिक है ।

ग्रामीणों ने बताया किउक्त सड़क निर्माण कार्य में वाटर क्रॉसिंग / पुलिया एवं रिटर्निंग वॉल निर्माण में भी प्राक्कलन अनुरूप सीमेंट कांक्रीट एवं सरिया का उपयोग नहीं किया गया है साथ ही पानी तराई कार्य तो कराया ही नहीं गया है , जिससे उपरोक्त कार्य भी पूर्णत़ गुणवत्ता विहीन है ।

रामानुजनगर ग्राम के अंदर सड़क निर्माण कार्य में तो भ्रष्टाचार का आलम यह है कि, नाली निर्माण हेतु खुदाई कर बेस को बिना कंम्पैट किए बिना बालू मुरूम बिछाकर कंपैक्ट किए बिना ही अनुपात विहीन सीमेंट कांक्रीट से बेस ढलाई कर नाली निर्माण किया जा रहा है, जिसमें स्टील रॉड का भी प्राक्कलन अनुरूप उपयोग नहीं किया जा रहा है । आर. सी. सी. रोड निर्माण से पहले बेस निर्माण में किया जा रहे सामग्री का उपयोग भी पूर्णत: अमानक स्तर का है । पुराने सड़क के दोनों और खनन कर जी.एस.बी. एवं डब्लू. एम. एम. करने के पश्चात पूरे सड़क की चौड़ाई में डब्लू. एम. एम. मटेरियल मिक्सर प्लांट से गीला मटेरियल लाकर सेंसर पेवर मशीन से न बिछाकर पहले जैसे ही ड्राई जी.एस. बी. मटेरियल का ही उपयोग डब्ल्यू. एम. एम. के स्थान पर करते हुईं ड्राई रोलिंग किया जाकर व्यापक गड़बड़ी किया जा रहा है।

आर. सी. सी. रोड निर्माण में भी सरिया को निर्धारित मापदंड अनुरूप नहीं लगाया जा रहा है तथा सी. सी. निर्माण में उपयोग किया जा रहा है , सीमेंट कॉंक्रिट् मिक्सिंग सेंसर पेवर मशीन अत्यंत कंडम स्थिति में है जिससे सीसी रोड के सतह का लेवल अत्यंत उबड़-खाबड़ / इंडोलेशन है । सीमेंट कंक्रीट भी निर्धारित अनुपात में नहीं है तथा पानी क्यूरिंग भी अत्यंत कम किया जा रहा है ।

ग्रामीणों का आरोप है कि इस कार्य में ठेकेदार के ही कर्मचारी मनमाने ढंग से कार्य कर रहे हैं , पीडब्ल्यूडी विभाग के उपयंत्री जिसे कार्य स्थल पर अपने निगरानी में खड़ा होकर कार्य कराना होता है , कहीं कार्य स्थल पर दिखता ही नहीं है । यदाकदा एस. डी.ओ. (पी.डब्ल्यू.डी.) ठेकेदार के साथ कभी-कभी दिख जाते हैं , जिनसे भी गुणवत्ता सुधार करने की बात करने पर बगले झांकते नजर आते हैं । उधर इस महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्य पर क्षेत्र के नुमाइंदोगी करने वाले नेताओं का मौन स्वीकृति समझ से परे है।

संक्षिप्त समाचार

बाँकी पुलिस द्वारा कबाड़ दुकान को किया गया सीलबंद

कोरबा(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी (भा.पु.से.) द्वारा अवैध जुआ, सट्टा, कबाड़, शराब कार्यों पर कठोर कार्यवाही करने के निर्देश के पालन में मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार पर एसईसीएल हॉस्पीटल रोड बांकीमोंगरा में किरण साहू द्वारा संचालित अवैध कबाड़ दुकान में रेड कार्यवाही की गई। दुकान संचालिका के द्वारा किसी प्रकार का कोई वैध दस्तावेज नहीं कर पाने पर कबाड़ जप्त किया गया है। कबाड़ दूकान संचालिका एवं उसके पुत्र विकास साहू, आकश साहू के विरूद्ध चुराई हुई सम्पत्ति खरीदने व बिक्री करने का पूर्व में भी अपराधिक प्रकरण दर्ज है जिस पर चालानी कार्यवाही हुई है। उसके बाद भी दूकान संचालिका के द्वारा इस कार्य में लिप्त होकर चुराई हुई अपराध से संबंधित सम्पत्ति की खरीद फरोक्त की जा रही थी और अपने घर के बगल में ही कबाड़ दूकान अपने परिवार के साथ मिलकर संचालित कर रही थी। इन दशाओं में अवैध कबाड़ दूकान संचालिका की अवैध कार्यों पर पूर्णत: रोक लगाने के लिए कार्यपालिक दण्डाधिकारी के द्वारा अवैध कबाड़ दूकान को सीलबंद किया गया है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक तेजकुमार यादव, सउनि नंदलाल टण्डन, म.प्र. आर. 326 विक्टोरिया रकसेल, म. आर. 898 निर्मला तंवर, आर. 328 देवेन्द्र राजपूत, आर. 673 देवेन्द्र पैकरा, आर. 639 सतीश साहू, आर. 535 भोलाशरण यादव, आर. 671 निरंजन कंवर, आर. 700 रोहित राठौर की भूमिका सराहनीय रही।

800 लीटर अवैध डीजल के साथ वाहन जप्त

कोरबा(विश्व परिवार)। कुसमुंडा पुलिस को दिनांक 10.11.2024 को रात्रि गश्त के दौरान मुखबीर सूचना मिली कि टेंकर क्र. सीजी 14 एमपी 7478 अवैध डीजल लेकर बल्गी मोड़ की तरफ से आ रहा है। सूचना मिलने पर तत्काल सूचना तस्दीक हेतु बल्गी मोड़ जाकर उक्त वाहन टेंकर क्र. सीजी 14 एमपी 7478 को रुकवाने पर चालक अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन को छोड़कर के भाग गया। टेंकर को चेक करने पर लगभग 800 लीटर डीजल भरा होना पाया गया जो अपराध से संबधित होने के संदेह पर धारा 102 जा.फै. के तहत जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। मामले में इश्तगासा क्रमांक 09/2024 धारा 106 बीएनएसएस कायम कर जांच विवेचना में लिया गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक रुपक शर्मा, प्रधान आरक्षक 327 झाडू राम साहू, आरक्षक 507 अमर दिवाकर, आरक्षक 249 कैलाश कंवर व सैनिक 145 मिथलेश कुमार की भूमिका रही।

धान खरीदी से दूर भाग रही भाजपा की साय सरकार: पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर

महासमुंद(विश्व परिवार)। पूर्व संसदीय सचिव व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि सहकारी समिति कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से 14 नवंबर से होने वाली समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारी ठंडे बस्ते में चली गई है। संघ की तीन सूत्री जायज मांगों पर शासन आंखे मूंद कर बैठी है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा विपक्ष में थी तब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर विष्णु देव साय ने धान खरीदी के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पत्र लिखा। अब खुद धान खरीदी से दूर भाग रही है। यह सरकार धान खरीदी नहीं करना चाहती। 15 दिन विलंब से धान खरीदी करने के बाद भी भाजपा की साय सरकार ने खरीदी की तैयारी नहीं की है। श्री चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस शासन के समय ढाई सौ करोड़ रुपए सोसायटियों को अनुदान दिया गया था। लेकिन अभी सोसाइटी में आर्थिक भार पड़ रहा है। प्रदेश सरकार को सहकारी समितियों के कर्मचारियों के आंदोलन को समाप्त कर उनकी मांगों को पूरा करना चाहिए। कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में 72 घंटे के भीतर उठाव का नियम बनाया था। जिससे समितियों को सूखत का सामना नहीं करना पड़ता था। साथ ही पहले मार्कफेड के लिए 28 फरवरी तक समस्त धान के निपटान की बाध्यता थी। वर्तमान में इसे बढ़ाकर 31 मार्च कर दिया गया है। इससे धान खरीदी के बाद सुखत की समस्या आएगी। सूखत से समितियों को आर्थिक नुकसान उठाना होगा। भाजपा जो नई नीति प्रोत्साहन राशि को लेकर बनाई है, इससे प्रोत्साहन की राशि समिति और कर्मचारियों के पास जाने की बजाय सीधे संबंधित ज़िला सहकारी बैंक शाखाओं में जाएगी। इससे भी आर्थिक बोझ बढ़ेगा। श्री चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश में 14 नवंबर से धान खरीदी शुरु होनी है, लेकिन धान खरीदी करने वाली प्रदेश भर के 2,058 समितियों के लगभग 13000 कर्मचारी चार नवंबर से हड़ताल पर हैं। इसमें महासमुंद जिले के 133 समितियों के 182 उपार्जन केंद्रों में कार्यरत लगभग 700 कर्मचारी भी आंदोलन पर है। कर्मचारी संघ ने जो तीन सूत्रीय मांगें रखी हैं। इनमें पहला ये कि मध्यप्रदेश सरकार की तर्ज पर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा भी प्रत्येक समितियों को तीन-तीन लाख का अनुदान दिया जाए।

देव उठनी एकादशी पर्व पर भगवान शालिग्राम का भव्य बारात गाजे बाजे के साथ निकली

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- देवउठनी एकादशी उद्यापन के अवसर पर भगवान शालिग्राम का विवाह उत्सव बारात में सैकड़ो श्रद्धालुओं ने गाजे बाजे के साथ बारात में शामिल हुए।

स्थानीय अग्रसेन भवन विश्रामपुर से विशाल गाजेबाजे के साथ बारात निकली जिसमें महिला पुरुष बैंड बाजे के साथ नाचते हुए दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर पहुंचे ,वहां से दूल्हे के रूप में भगवान शालिग्राम रथ पर सवार होकर अग्रसेन भवन पहुंचे। आचार्य पंडित बालकृष्ण गर्ग जी ने विधि विधान से भगवान शालिग्राम एवं तुलसी जी का विवाह संपन्न कराया। इस पूरे बारात में श्रीमती व्यवृद्ध कांता गोयल, कौशल्या -मोहन गोयल मुख्य यजमान के रूप में शामिल थे जबकि बारात में अनीता गोयल- सुभाष गोयल, सुशील गोयल- विजय गोयल, प्रीति गोयल- आदर्श गोयल, पायल गोयल -विक्की गोयल, कमल गोयल -अंशुल गोयल, सुमन गोयल- आशीष गोयल , ऋषभ गोयल- विवेक गोयल, जूही गोयल -गौरव गोयल ,भावना मित्तल- नरेश मित्तल, मोना -अतुल मित्तल, शारदा गोयल - ललित गोयल, संतोष गोयल -नारायण गोयल, अनीता गोयल -दिनेश गोयल सहित अग्रज बंधुओ ने सपत्नीक बारात में शामिल हुए।दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर से अग्रसेन भवन बारात आतिशबाजी एवं गाजे बाजे के साथ पहुंची जहां रात्रि 1:30 बजे तक तुलसी जी एवं शालिग्राम जी का विवाह आचार्य पंडित बालकृष्ण गर्ग जी ने संपन्न कराया ।साथ ही सामूहिक भोज का आयोजन किया गया ।विवाह के दूसरे दिवस क्षेत्र के ब्राह्मणों को भोजन दान कराकर बारातियों की विदाई दी गई ।तुलसी एवं शालिग्राम विवाह के संबंध में श्रीमती अनीता सुभाष गोयल ने बताया कि सनातन धर्म की पुराणों के अनुसार भगवान शालिग्राम को ब्राह्मणभूत श्री नारायण भगवान का प्रतीक माना गया है ।कार्तिक शुक्ल एकादशी को शालिग्राम एवं तुलसी जी के विवाह का कार्यक्रम संपन्न होता है ।भगवान विष्णु को शालिग्राम स्वरूप के रूप में माता तुलसी जी के साथ विवाह संपन्न कराने की मान्यता है ।तुलसी जी एवं शालिग्राम जी के विवाह के पश्चात सनातन धर्म के अनुसार हिंदू समाज में विवाह की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। बहरहाल तुलसी एवं शालिग्राम जी का विवाह उत्सवएवं धूमधाम से मनाया गया।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल दो दिनों का सूरजपुर जिला में प्रवास, विभिन्न कार्यक्रम में होंगे शामिल

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-जिले के प्रभारी एवं खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल 14 नवंबर को जिले के विभिन्न कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। जिसके तहत धान खरीदी के शुभारंभ पर वो धान उपार्जन केंद्र देवनगर, कलेक्टर सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक और पश्चात तिलसिवा ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री आवास मेला में सम्मिलित होंगे। इसके साथ ही वो 15 नवंबर को नगरपालिका के सामने रंग मंच में आयोजित होने वाले जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करायेंगे।

जिला प्रभारी व खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल जी जिले के विभिन्न कार्यक्रम में होगें शामिल

14 नवंबर का कार्यक्रम- धान उपार्जन केन्द्र- देव नगर प्रातः 10 बजे,कलेक्ट्रेट सभाकक्ष - 11:30 बजे ,प्रधान मंत्री आवास मेला -ऑडिटोरियम में दोपहर 3 बजे,15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में नगरपालिका परिषद कार्यालय के सामने रंग मंच सुबह 11 बजे शामिल होगे

कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी रजवाडे का वरिष्ठ भाजपाइयों ने जम कर तारीफ की

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा आपका स्नेह ,प्यार, आशीर्वाद को अपनी आंचल में हमेशा समेट कर रखूंगी

गोपाल सिंह विद्रोही

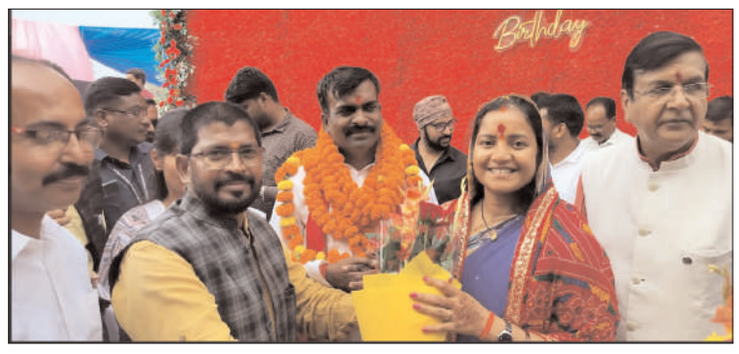

बिश्रामपुर -(दैनिक अमर स्तंभ न्यूज)- छत्तीसगढ़ कि महिला बाल विकास मंत्री एवं भटगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक लक्ष्मी राजवाड़े का जन्म दिवस पर भाजपा कार्यालय में जिले की भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जिसमें सूरजपुर जिले भर के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का हुजूम देखने को मिला।

अभिनंदन समारोह में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर स्वागत किया। सैला नृत्य एवं सुग्गा नृत्य एवं मदार की मधुर थाप पर मंत्री सहित कार्यकर्ताओं ने जमकर झूमे। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने कहा कि लक्ष्मी जी के मार्गदर्शन में सूरजपुर जिला का सर्वांगीण विकास की गति तेज हो गई है, हम उम्मीद करते हैं कि यदि विकास की यही गति बनी रही आने वाले समय में सूरज पुर जिला का भौगोलिक दशा एवं दिशा बदल जाएगी। इस अवसर पर सूरजपुर जिला एवं। अभिभाजित सरगुजा का जिला अध्यक्ष अजय गोयल ने कहा कि सूरजपुर जिला को एक बेहतरीन मंत्री मिला है जो नारी शक्ति है। मंत्री ने थकती है और न है चेहरे पर कोई थकावट का शिकन रहता है हमेशा जनता की सेवा में लगी रहती है ।ईश्वर ने इन्हें पति भी बेहतरीन दिया है यह संयोग है की मंत्री लक्ष्मी है और पति ठाकुर जी है। हम सब इनके विकास के कार्य का कायल है ।इस अवसर पर भाजपा नेता भीमसेन अग्रवाल एवं राजेश महलवल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम से पूर्व भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की एवं पुष्प वर्षा के बीच मंत्री का आत्मीय स्वागत किया ।विशाल महामाला से समाज की विभिन्न वर्ग के लोगों ने स्वागत किया तो वहीं भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प बुके एवं पुष्प माला से स्वागत कर मंत्री का अभिनंदन किया ।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने स्वागत में कार्यकर्ताओं को उत्साह से अभिभूत होकर कहां की आपका स्नेह प्यार एवं आशीर्वाद को हमेशा आंचल में समेट कर रखूंगी आप इसी तरह से हमारे ऊपर आशीर्वाद की वर्षा करते रहे ।

मंत्री लक्ष्मी पति ठाकुर राजवाड़े,जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल मदार के थाप पर थिरके- कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी रजवाड़ों के जन्म उत्सव कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने सैला नृत्य के साथ मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े पति ठाकुर राजवाड़े एवं जिला भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल को मदार गले में डालकर नृत्य कराया ।उत्साही मंत्री ने सैला महिला नृत्य महिलाओ के साथ जमकर नृत्य किया तो वहीं पति ठाकुर राजवाड़े एवं जिला भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल मादार बजा नृत्य किया ।।कार्यक्रम का संचालन नगर पालिका उपाध्यक्ष सूरजपुर अजय अग्रवाल ने किया इस अवसर पर अजय अग्रवाल सहित भीमसेन अग्रवाल ,राजेश महलवल, रामानंद जायसवाल, बनारसी जायसवाल, ललित गोयल,सत्यनारायण जायसवाल, संदीप अग्रवाल ,शशि गर्ग, मुकेश गर्ग, के के अग्रवाल , सीती कांत स्वाई, श्यामा पांडेय, मोहिनी झा, राज किशोर चौधरी, दीपेंद्र सिंह चौहान ,संदीप अग्रवाल, संस्कार अग्रवाल ,रितेश जायसवाल, प्रदीप द्विवेदी, सरदार मनी बग्गा, विवेक लैरी जायसवाल, ओम ठाकुर, रितु राज ठाकुर, विनोद शाह,हीरालाल राजवाड़े, शांति सिंह, बीना गुप्ता ,नूतन विश्वास, देवधन बिझिया, महेश जयसवाल आदि उपस्थित थे उल्लेखनीय है कि कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का जिला भाजपा कार्यालय सहित भटगांव, सिलफ्ली, अन्य क्षेत्रों में भी मंत्री के जन्मदिन पर लोगों ने स्वागत कर बधाइयां दी।

संपादकीय

कांग्रेस के आरोप गंभीर

चुनाव की स्वच्छता पर कांग्रेस की ठोस राय क्या है? अगर देश में स्वच्छ चुनाव नहीं हो रहे, तो इस प्रश्न पर उसकी तैयारी क्या है? ऐसी शिकायतों का समाधान निर्वाचन आयोग या न्यायपालिका के पास जाने से तो नहीं हो सकता। जैसी अपेक्षा थी, निर्वाचन आयोग ने हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी की कांग्रेस की शिकायत ठुकरा दी है। उसने कांग्रेस के आरोपों को बेबुनियाद, भ्रामक और तथ्यों से दूर' बताया है। आयोग सिर्फ यहीं तक रुका। उसने कांग्रेस को चेतावनी दी कि भविष्य में पार्टी ऐसे आरोप लगाने से बाज आए। आयोग ने इल्जाम लगाया है कि ऐसे %सामान्य' किस्म के आरोप लगाकर कांग्रेस बिना किसी साक्ष्य के झूठे कथानक फैला रही है। आयोग ने कहा है कि ऐसी बातें मतदान या मतगणना का दिन करीब आने पर की जाती हैं, जिससे भड़काऊ माहौल बन सकता है। हरियाणा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस ने कई निर्वाचन क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में हेरफेर की शिकायत दर्ज कराई थी। कहा था कि कुछ क्षेत्रों में ईवीएम 99 प्रतिशत तक चार्ज्ड अवस्था में पाई गईं, जो सामान्यत: संभव नहीं है। अब चूंकि आयोग ने इन शिकायतों को सिरे से खारिज कर दिया है, तो सवाल है कि कांग्रेस क्या करेगी? क्या दलील मंजूर ना होने की पूरी संभावना के बावजूद वह सुप्रीम कोर्ट जाएगी? या चुपचाप इस मसले को यहीं छोड़ अगले चुनावों में मशगूल हो जाएगी? अनुमान लगाया जा सकता है कि महाराष्ट्र या झारखंड में कहीं भी इंडिया गठबंधन हारा, तो ऐसी शिकायतें फिर से उठाई जाएंगी। आयोग की ये बात सही है कि विपक्ष अपनी हर हार के बाद ऐसा नैरेटिव खड़ा करता है। यह सच है कि विपक्ष जीत जाए, तो फिर वह जश्न मनाने में जुट जाता है। मुद्दा यह है कि चुनाव की स्वच्छता और निष्पक्षता पर कांग्रेस की ठोस राय क्या है? अगर वह मानती है कि देश में स्वच्छ चुनाव नहीं हो रहे, तो क्या इस प्रश्न पर उसने इंडिया गठबंधन के सहभागियों के साथ कोई साझा राय बनाने की कोशिश की है? ऐसी शिकायतों का समाधान निर्वाचन आयोग या न्यायपालिका में जाने से नहीं हो सकता। कांग्रेस के आरोप गंभीर किस्म के हैं। तो पहली शर्त है कि पार्टी खुद इसे गंभीरता से ले। अगर ऐसा है, तो फिर उसे व्यापक जन आंदोलन की तैयारी करनी चाहिए। वरना, इस गंभीर प्रश्न को अगंभीरता से उठाना छोड़ देना चाहिए।

भारत के रतन रतन टाटा जी का जाना...

नरेंद्र मोदी

रतन टाटा जी, भारतीय उद्यमशीलता की बेहतरीन परंपराओं के प्रतीक थे। वो विश्वसनीयता, उत्कृष्टता और बेहतरीन सेवा जैसे मूल्यों के अडिग प्रतिनिधि थे। उनके नेतृत्व में, टाटा समूह दुनिया भर में सम्मान, ईमानदारी और विश्वसनीयता का प्रतीक बनकर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। आज श्री रतन टाटा जी के निधन को एक महीना हो रहा है। पिछले महीने आज के ही दिन जब मुझे उनके गुजरने की खबर मिली, तो मैं उस समय आसियान समिट के लिए निकलने की तैयारी में था। रतन टाटा जी के हमसे दूर चले जाने की वेदना अब भी मन में है। इस पीड़ा को भुला पाना आसान नहीं है। रतन टाटा जी के तौर पर भारत ने अपने एक महान सपूत को खो दिया है...एक अमूल्य रत्न को खो दिया है। आज भी शहरों, कस्बों से लेकर गांवों तक, लोग उनकी कमी को गहराई से महसूस कर रहे हैं। हम सबका ये दुख साझा है। चाहे कोई उद्योगपति हो, उभरता हुआ उद्यमी हो या कोई प्रोफेशनल हो, हर किसी को उनके निधन से दुख हुआ है। पर्यावरण रक्षा से जुड़े लोग...समाज सेवा से जुड़े लोग भी उनके निधन से उतने ही दुखी हैं। और ये दुख हम सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में महसूस कर रहे हैं। युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य ऐसा नहीं जिसे प्राप्त नहीं किया जा सके। रतन टाटा जी ने सबको सिखाया है कि विनम्र स्वभाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए भी सफलता पाई जा सकती है। रतन टाटा जी, भारतीय उद्यमशीलता की बेहतरीन परंपराओं के प्रतीक थे। वो विश्वसनीयता, उत्कृष्टता और बेहतरीन सेवा जैसे मूल्यों के अडिग प्रतिनिधि थे। उनके नेतृत्व में, टाटा समूह दुनिया भर में सम्मान, ईमानदारी और विश्वसनीयता का प्रतीक बनकर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। इसके बावजूद, उन्होंने अपनी उपलब्धियों को पूरी विनम्रता और सहजता के साथ स्वीकार किया। दूसरों के सपनों का खुलकर समर्थन करना, दूसरों के सपने पूरा करने में सहयोग करना, ये श्री रतन टाटा के सबसे शानदार गुणों में से एक था। हाल के वर्षों में, वो भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का मार्गदर्शन करने और भविष्य की संभावनाओं से भरे उद्यमों में निवेश करने के लिए जाने गए। उन्होंने युवा आंत्रप्रेन्योर की आशाओं और आकांक्षाओं को समझा, साथ ही भारत के भविष्य को आकार देने की उनकी क्षमता को पहचाना। भारत के युवाओं के प्रयासों का समर्थन करके, उन्होंने नए सपने देखने वाली नई पीढ़ी को जोखिम लेने और सीमाओं से परे जाने का हौसला दिया। उनके इस कदम ने भारत में इनोवेशन और आंत्रप्रेन्योरशिप की संस्कृति विकसित करने में बड़ी मदद की है। आने वाले दशकों में हम भारत पर इसका सकारात्मक प्रभाव जरूर देखेंगे। रतन टाटा जी ने हमेशा बेहतरीन क्वालिटी के प्रॉडक्ट...बेहतरीन क्वालिटी की सर्विस पर जोर दिया और भारतीय उद्यमों को ग्लोबल बेंचमार्क स्थापित करने का रास्ता दिखाया। आज जब भारत 2047 तक विकसित होने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तो हम ग्लोबल बेंचमार्क स्थापित करते हुए ही दुनिया में अपना परचम लहरा सकते हैं। मुझे आशा है कि उनका ये विजन हमारे देश की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और भारत वर्ल्ड क्लास क्वालिटी के लिए अपनी पहचान मजबूत करेगा। रतन टाटा जी की महानता बोर्डरूम या सहयोगियों की मदद करने तक ही सीमित नहीं थी। सभी जीव-जंतुओं के प्रति उनके मन में करुणा थी। जानवरों के प्रति उनका गहरा प्रेम जगजाहिर था और वे पशुओं के कल्याण पर केन्द्रित हर प्रयास को बढ़ावा देते थे। वो अक्सर अपने डॉग्स की तस्वीरें साझा करते थे, जो उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा थे। मुझे याद है, जब रतन टाटा जी को लोग आखिरी विदाई देने के लिए उमड़ रहे थे...तो उनका डॉग 'गोवा' भी वहां नम आंखों के साथ पहुंचा था। रतन टाटा जी का जीवन इस बात की याद दिलाता है कि लीडरशिप का आकलन केवल उपलब्धियों से ही नहीं किया जाता है, बल्कि सबसे कमजोर लोगों की देखभाल करने की उसकी क्षमता से भी किया जाता है। रतन टाटा जी ने हमेशा, नेशन फर्स्ट की भावना को सर्वोपरि रखा। 26/11 के आतंकवादी हमलों के बाद उनके द्वारा मुंबई के प्रतिष्ठित ताज होटल को पूरी तत्परता के साथ फिर से खोलना, इस राष्ट्र के एकजुट होकर उठ खड़े होने का प्रतीक था। उनके इस कदम ने बड़ा संदेश दिया कि ङ्क भारत रुकेगा नहीं...भारत निडर है और आतंकवाद के सामने झुकने से इनकार करता है। व्यक्तिगत तौर पर, मुझे पिछले कुछ दशकों में उन्हें बेहद करीब से जानने का सौभाग्य मिला। हमने गुजरात में साथ मिलकर काम किया। वहां उनकी कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर निवेश किया गया। इनमें कई ऐसी परियोजनाएं भी शामिल थीं, जिसे लेकर वे बेहद भावुक थे। जब मैं केन्द्र सरकार में आया, तो हमारी घनिष्ठ बातचीत जारी रही और वो हमारे राष्ट्र-निर्माण के प्रयासों में एक प्रतिबद्ध भागीदार बने रहे। स्वच्छ भारत मिशन के प्रति श्री रतन टाटा का उत्साह विशेष रूप से मेरे दिल को छू गया था। वह इस जन आंदोलन के मुखर समर्थक थे। वह इस बात को समझते थे कि स्वच्छता और स्वस्थ आदतें भारत की प्रगति की दृष्टि से कितनी महत्वपूर्ण हैं। अक्टूबर की शुरुआत में स्वच्छ भारत मिशन की दसवीं वर्षगांठ के लिए उनका वीडियो संदेश मुझे अभी भी याद है। यह वीडियो संदेश एक तरह से उनकी अंतिम सार्वजनिक उपस्थितियों में से एक रहा है। कैंसर के खिलाफ लड़ाई एक और ऐसा लक्ष्य था, जो उनके दिल के करीब था। मुझे दो साल पहले असम का वो कार्यक्रम याद आता है, जहां हमने संयुक्त रूप से राज्य में विभिन्न कैंसर अस्पतालों का उद्घाटन किया था। उस अवसर पर अपने संबोधन में, उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि वो अपने जीवन के आखिरी वर्षों को हेल्थ सेक्टर को समर्पित करना चाहते हैं। स्वास्थ्य सेवा एवं कैंसर संबंधी देखभाल को सुलभ और किफायती बनाने के उनके प्रयास इस बात के प्रमाण हैं कि वो बीमारियों से जूझ रहे लोगों के प्रति कितनी गहरी संवेदना रखते थे। मैं रतन टाटा जी को एक विद्वान व्यक्ति के रूप में भी याद करता हूं - वह अक्सर मुझे विभिन्न मुद्दों पर लिखा करते थे, चाहे वह शासन से जुड़े मामले हों, किसी काम की सराहना करना हो या फिर चुनाव में जीत के बाद बधाई सन्देश भेजना हो। अभी कुछ सप्ताह पहले, मैं स्पेन सरकार के राष्ट्रपति श्री पेड्रो सान्चेज के साथ वडोदरा में था और हमने संयुक्त रूप से एक विमान फैक्ट्री का उद्घाटन किया। इस फैक्ट्री में सी-295 विमान भारत में बनाए जाएंगे। श्री रतन टाटा ने ही इस पर काम शुरू किया था। उस समय मुझे श्री रतन टाटा की बहुत कमी महसूस हुई। आज जब हम उन्हें याद कर रहे हैं, तो हमें उस समाज को भी याद रखना है जिसकी उन्होंने कल्पना की थी। जहां व्यापार, अच्छे कार्यों के लिए एक शक्ति के रूप में काम करे, जहां प्रत्येक व्यक्ति की क्षमता को महत्व दिया जाए और जहां प्रगति का आकलन सभी के कल्याण और खुशी के आधार पर किया जाए। रतन टाटा जी आज भी उन जिंदगियों और सपनों में जीवित हैं, जिन्हें उन्होंने सहारा दिया और जिनके सपनों को साकार किया। भारत को एक बेहतर, सहृदय और उम्मीदों से भरी भूमि बनाने के लिए आने वाली पीढ़ियां उनकी सदैव आभारी रहेंगी।

आलेख

नेपाल में भारतीय हिंदुओं की स्थितियां बहुत खराब

हरिशंकर व्यास

नेपाल एक समय हिंदू राष्ट्र था। दोनों देशों के लोगों के बीच रोटी, बेटी का संबंध था। जनकपुर धाम नेपाल में है, जिसे भगवान राम की ससुराल मानते हैं। पुराने मिथिला राज की राजधानी जनकपुर मानी जाती है। भारत के हजारों हिंदुओं का कारोबार नेपाल में है। सीमावर्ती शहरों का लगभग सारा कारोबार भारत के हिंदुओं के हाथ में है। नेपाल की 80 फीसदी आबादी हिंदू है। लेकिन पहले नीतिगत कारणों से भारतीय लोग नेपाली नागरिकों के निशाने पर आए और उसके बाद भारत के हिंदुओं को भी निशाना बनाया जाने लगा। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि भारत में हिंदू, मुस्लिम का विभाजन वहां भी पहुंच गया है। हिंदुओं और मुसलमानों के बीच पिछले साल अक्टूबर में एक बड़ा विवाद हुआ था, जिसकी वजह से कई दिन तक उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे नेपालगंज के बांके शहर में कर्फ्यू लगा। असल में किसी व्यक्ति ने इंटरनेट पर इस्लाम के प्रति कोई आपत्तिजनक कंटेंट डाल दिया था। इसके विरोध में मुसलमानों ने प्रदर्शन किया। अगले दिन हिंदुओं ने शांति जुलूस निकाला तो जुलूस के ऊपर हमला हो गया। जम कर पथराव हुआ और गोलियां चलीं। वीडियो वायरल हुआ, जिसमें हिंदू भगवा ध्वज लिए हुए भाग रहे हैं और उन पर पत्थरों की बौछार हो रही है। नेपाल में भले 80 फीसदी आबादी हिंदुओं की है लेकिन वहां भारतीय हिंदुओं की स्थितियां बहुत खराब है। भारत के लोगों के साथ भेदभाव हो रहा है, जिससे उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है। भू राजनीतिक कारणों से नेपाल की एक के बाद एक सरकारों ने भारत के प्रति विद्वेष की नीति अपनाई है। सीमा विवाद को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा है तो चीन की दखल की वजह से भी नेपाल में भारत विरोधी भावनाएं भड़की हैं। भारत के हिंदू, जो वहां कारोबार किसी तरह से अपने को बचाए हुए हैं वे कारोबार बंद करके भारत लौट रहे हैं। पिछले साल दो हजार रुपए का नोट बंद किए जाने के बाद अचानक ऐसी स्थितियां बनीं, जिनसे भारतीयों, हिंदुओं को बड़ा नुकसान हुआ। नेपाल ने एकतरफा तरीके से भारतीय मुद्रा पर पाबंदी लगा दी। एक सौ रुपए से ऊपर के मूल्य की सारी मुद्राएं प्रतिबंधित कर दी गईं। सौ रुपए से ऊपर की खरीदारी पर नजर रखी जा रही है और टैक्स लगाया जा रहा है। भारतीय मुद्रा रुपए का नेपाली रूपए के मुकाबले तेजी से अवमूल्यित हो रहा है। भारत के कानून के मुताबिक कोई भारतीय नागरिक 25 हजार रुपए नकद लेकर नेपाल जा सकता है लेकिन नेपाल अब इस नियम को भी नहीं मान रहा है। 25 हजार रुपए नकद रखने पर नेपाल में गिरफ्तार किया जा सकता है। नेपाल के इस रवैए से सीमा के आसपास के लोगों का सैकड़ों करोड़ रुपए का प्रतिदिन का कारोबार प्रभावित हो रहा है। नवंबर 2016 की नोटबंदी के समय से ही ऐसी स्थिति बनी हुई है। असल में किसी व्यक्ति ने इंटरनेट पर इस्लाम के प्रति कोई आपत्तिजनक कंटेंट डाल दिया था। इसके विरोध में मुसलमानों ने प्रदर्शन किया। अगले दिन हिंदुओं ने शांति जुलूस निकाला तो जुलूस के ऊपर हमला हो गया। जम कर पथराव हुआ और गोलियां चलीं। वीडियो वायरल हुआ, जिसमें हिंदू भगवा ध्वज लिए हुए भाग रहे हैं और उन पर पत्थरों की बौछार हो रही है। नेपाल में भले 80 फीसदी आबादी हिंदुओं की है लेकिन वहां भारतीय हिंदुओं की स्थितियां बहुत खराब है। भारत के लोगों के साथ भेदभाव हो रहा है, जिससे उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है। भू राजनीतिक कारणों से नेपाल की एक के बाद एक सरकारों ने भारत के प्रति विद्वेष की नीति अपनाई है। सीमा विवाद को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा है तो चीन की दखल की वजह से भी नेपाल में भारत विरोधी भावनाएं भड़की हैं। भारत के हिंदू, जो वहां कारोबार किसी तरह से अपने को बचाए हुए हैं वे कारोबार बंद करके भारत लौट रहे हैं। दोनों देशों के बीच इसे लेकर बातचीत भी हुई, लेकिन कोई रास्ता नहीं निकल सका। दूसरी ओर नेपाल के इस रवैए से तस्करी में बढ़ोतरी है। ड्रग्स और हथियारों से लेकर सोना और रोजमर्रा की जरुरत की चीजों की तस्करी हो रही है।

भारतीय रेलवे: पहले से कहीं ज़्यादा सुरक्षित

ए.के.खंडेलवाल

भारतीय रेलवे में सुरक्षा पहले से कहीं अधिक बेहतर हो गई है, जिसका श्रेय पिछले दशक में की गई योजनाबद्ध पहलों को दिया जा सकता है। भारतीय रेलवे दुनिया का सबसे व्यस्त यात्री परिवहन नेटवर्क है और रेल-यात्री परिवहन में इसका विश्व में पहला स्थान है। रेलवे हर साल 1 लाख करोड़ यात्री किलोमीटर (पीकेएम) से अधिक की दूरी तय करती है और 685 करोड़ से अधिक यात्रियों को सफर कराती है। यह आँकड़ा चीन से भी काफी बड़ा है, जहाँ अपने विशाल नेटवर्क और आबादी के बावजूद लगभग 300 करोड़ यात्री ही रेल का उपयोग करते हैं। सुरक्षा में इस उल्लेखनीय सुधार का प्रमाण दुर्घटनाओं की घटती संख्या से मिलता है। जहाँ 2000-01 में 473 बड़ी रेल दुर्घटनाएँ हुई थीं, वहीं 2023-24 में यह संख्या घटकर केवल 40 रह गई है। यह गिरावट ट्रैक सुधार, मानव रहित लेवल क्रॉसिंग को हटाने, पुलों की स्थिति की नियमित निगरानी और डिजिटल तकनीक के प्रयोग से संभव हुई है। रेलवे के सुरक्षा प्रयासों को यात्री और पटरियों की लंबाई के आधार पर और भी सराहा जा सकता है। प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक लोग 70,000 किलोमीटर लंबे नेटवर्क पर यात्रा करते हैं। त्यौहारों के समय यह संख्या 3 करोड़ तक पहुँच जाती है। इसका मतलब है कि भारत में प्रतिदिन लगभग 2त्न लोग सुरक्षित रूप से रेल से सफर करते हैं, जबकि चीन में यह आँकड़ा 0.58त्न और अमेरिका में मात्र 0.09त्न है। भारतीय रेलवे के लिए यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह 2023-24 में सुरक्षा से जुड़ी परियोजनाओं में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से स्पष्ट होता है, और चालू वित्त वर्ष में इससे भी अधिक खर्च करने की योजना है। इसका उद्देश्य रेलों, पुलों, पटरियों और संकेत प्रणालियों के रखरखाव में सुधार करना है। साथ ही, ओवर- और अंडर-ब्रिज के निर्माण के माध्यम से पटरियों के निकट की सड़क सुरक्षा में भी सुधार किया जाएगा। रेलवे सुरक्षा प्रदर्शन का एक प्रमुख सूचकांक प्रति दस लाख ट्रेन किलोमीटर पर दुर्घटना की संख्या' (एपीएमटीके) है, जो 2000-01 में 0.65 से घटकर 2023-24 में 0.03 पर आ गया है। यह सुधार अत्याधुनिक तरीकों और उन्नत तकनीकों के उपयोग के कारण संभव हुआ है, जैसे कि बेहतर पटरी रखरखाव, पटरी दोषों का पता लगाने में सुधार, रेल वेल्ड विफलताओं को रोकना और मानवीय त्रुटियों को कम करना। पटरी रखरखाव में सुधार के लिए आधुनिक मशीनों की तैनाती में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहाँ 2013-14 में केवल 700 मशीनें उपयोग में थीं, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 1,667 हो गई है। इसके अतिरिक्त, परिसंपत्ति की विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए पूरे नेटवर्क में रेल ग्राइंडिंग का भी उपयोग किया जा रहा है। जिससे पटरियों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। इसके साथ ही,उपद्रवी गतिविधियों, पटरियों से छेड़छाड़ और पटरियों पर अवरोध वस्तुओं के कारण होने वाले जोखिमों से निपटने के लिए नियमित गश्त की जाती है। यात्रियों की सुरक्षा से आगे बढ़कर, रेलवे अब वन्यजीव और पशुधन की सुरक्षा पर भी ध्यान दे रही है। 2024-25 तक 6,433 किलोमीटर रेलवे ट्रैक के किनारे बाड़ लगाने का लक्ष्य है, जिसमें से अगस्त 2024 तक 1,396 किलोमीटर पर काम पूरा कर लिया गया है। इससे मवेशियों के साथ टकराव की घटनाओं में कमी आएगी। इन परिणामों को बनाए रखने और सुधार करने के लिए भारतीय रेलवे ने तकनीकी कार्यक्रमों और लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अपनाया है। इस पहल के तहत लोकोपायलटों को कोहरे वाले क्षेत्रों में परिचालन में सहायता के लिए जीपीएस-आधारित फॉग-पास डिवाइसेस की संख्या में वृद्धि की गई है, जो 2014-15 में केवल 90 थी और अब बढ़कर 21,742 हो गई है। लोकोपायलटों की सतर्कता बढ़ाने के लिए सभी लोकोमोटिव में सतर्कता नियंत्रण उपकरण (वीसीडी) लगाए गए हैं, जिनकी संख्या 2013-14 में 10,000 से बढ़कर अब 16,021 हो चुकी है। सुरक्षा उपायों के अंतर्गत, बड़ी पटरी (ब्रॉड-गेज) मार्गों पर स्थित 6,637 स्टेशनों में से 6,575 स्टेशनों पर पैनल इंटरलॉकिंग, रूट रिले इंटरलॉकिंग और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग जैसी उन्नत संकेत प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं। लोकोपायलटों की दक्षता को बेहतर बनाने के लिए ड्राइविंग कौशल और प्रतिक्रिया समय में सुधार के उद्देश्य से सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जो क्षेत्रीय अनुभव का अनुकरण करता है। अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को अग्निशमन और अग्निशामक यंत्रों के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। 2023-24 के दौरान 6 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारियों ने प्रारंभिक, प्रगति-उन्मुख, पुन: अभ्यास और विशिष्ट जैसे विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोत्तम प्राथमिकता देते हुए, एलएचबी कोचों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, जो बेहतर दुर्घटना-रोकथाम सुविधाओं से लैस हैं। इन कोचों का डिज़ाइन इस तरह किया गया है कि यह रेल के पटरी से उतरने और यात्रियों के घायल होने की संभावना को कम करता है। टक्कर के दौरान एक-दूसरे पर चढ़ने से बचने के लिए इन्हें इस प्रकार से बनाया गया है कि ये 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पर भी सुरक्षित तरीके से परिचालित हो सकें। इसकी उत्पादन संख्या में भी महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। 2023-24 में 4,977 एलएचबी कोच बनाए गए हैं, जो 2013-14 के 2,467 से दोगुने से भी अधिक हैं। इन सभी प्रयासों से भारतीय रेलवे पहले से कहीं अधिक सुरक्षित हो गई है। यात्री सुरक्षा और रेलवे में सुधार की दिशा में निरंतर प्रयास इसे एक सुरक्षित और विश्वसनीय परिवहन विकल्प बनाते हैं।

विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव अंधेरों की आहट

ललित गर्ग

नेशनल कॉन्फ्रेंस एवं उमर अब्दुला सरकार ने सदन में अपने बहुमत का लाभ उठाते हुए बुधवार को बिना अनुच्छेद 370 की पुर्नबहाली शब्द का इस्तेमाल कर, विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव तीखी झड़पों, हाथापाई, लात-घूंसे एवं शोरशराबे के बीच ध्वनिमत से पारित करा, साबित कर दिया है, वह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ इस होड़ में पीछे रहने के मूड में नही है। ऐसा लगता है कि जम्मू कश्मीर में अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति फिर से परवान चढ़ने लगी है, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बर्बादी की तरफ धकेलने की कुचेष्टाएं प्रारंभ हो गयी है। इस पारित प्रस्ताव में केंद्र सरकार से कहा गया है कि वह विशेष दर्जा वापस देने के लिए राज्य के प्रतिनिधियों से बातचीत करे। बुधवार को नवगठित राज्य विधानसभा में जब यह प्रस्ताव उप-मुख्यमंत्री सुरिंदर सिंह चौधरी ने पेश किया, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि चौधरी का चयन ही इसलिए किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश न कर सके। लेकिन भाजपा ने एक विधान एक निशान और राष्ट्रवाद के प्रति अपनी संकल्पबद्धता को दोहराते हुए इस प्रस्ताव का विरोध कर बताया कि वह प्रत्यक्ष तो क्या परोक्ष तौर पर भी किसी को घड़ी की सुइयां पीछे मोढ़ने की अनुमति नहीं देगी। जब तक केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार है, कोई भी अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकता। अनुच्छेद 370 एक मरा हुआ सांप है, जिसे वह एक गले से दूसरे गले में डाल, जहर, आतंक एवं हिंसा फैलाने के षडयंत्र को सफल नहीं होने देगी। कश्मीर के नेताओं को समझना ही होगा कि पूरे भारत में अनुच्छेद 370 को लेकर जैसा जनमानस है, उसे देखते हुए अनुच्छेद 370 की वापसी असंभव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की धरती पर अनेक सकारात्मक स्थितियां उद्घाटित हुई है, विशेषत: लोकतंत्र को जीवंतता मिली है, वहां की अवाम ने चुनावों में बढ़-चढ़कर भाग लिया, शांति एवं विकास से इस प्रांत में एक नई इबारत लिखी जाने लगी है। जम्मू-कश्मीर हमारे देश का वो गहना है जिसे जब तक सम्पूर्ण भारत के साथ जोड़ा नहीं जाता, वहां शांति, आतंकमुक्ति एवं विकास की गंगा प्रवहमान नहीं होती, अधूरापन-सा नजर आता रहा है। इसलिए इसे शेष भारत के साथ हर दृष्टि से जोड़ा जाना महत्वपूर्ण है और यह कार्य मोदी एवं उनकी सरकार ने करके एक नये सूरज को उदित किया है, अब उस सूरज को अस्त नहीं होने दिया जायेगा। बड़ी जद्दोजहद से वहां एक नया दौर शुरू हुआ है, अब इस सुनहरे एवं उजले दौर को स्वार्थी एवं सत्ता की अलगाववादी एवं विघटनकारी राजनीति की भेंट नहीं चढ़ने देना चाहिए। भारत की महानता उसकी विविधता में है। साम्प्रदायिकता एवं दलगत राजनीति का खेल, उसकी विविधता में एकता की पीठ में छुरा भोंकता रहा है, घाटी उसकी प्रतीक बनकर लहूलुहान रही है। जब हम नये भारत-सशक्त भारत बनने की ओर अग्रसर हैं, विश्व के बहुत बड़े आर्थिक बाजार बनने जा रहे हैं, विश्व की एक शक्ति बनने की भूमिका तैयार करने जा रहे हैं, तब हमारे मस्तक के ताज जम्मू-कश्मीर को जाति, धर्म व स्वार्थी राजनीति से बाहर रखना सबसे बड़ी जरूरत है। इसी दिशा में घाटी को अग्रसर करने में मोदी सरकार के प्रयत्न सराहनीय एवं स्वागतयोग्य रहे हैं। घाटी की कमजोर राजनीति एवं साम्प्रदायिक आग्रहों का फायदा पडोसी उठा रहे हैं, जिनके खुद के पांव जमीन पर नहीं वे आंख दिखाते रहे हैं। अब ऐसा न होना, केन्द्र की कठोरता एवं सशक्तीकरण का द्योतक हैं। कश्मीर के तथाकथित राजनीतिक कर्णधारों! अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति छोड़ो। अगर तेवर ही दिखाने हैं तो देश के दुश्मनों को दिखाओ, पडौसी देश के मनसूंबों को निस्तेज करों। अतीत की राजनीतिक भूलों को सुधारना और भविष्य के निर्माण में सावधानी से आगे कदमों को बढ़ाना, जम्मू-कश्मीर की चुनी हुई सरकार का संकल्प होना चाहिए। विशेष राज्य का दर्जा पाने के मसले पर नेशनल कॉन्फ्रेंस जहां खड़ी है, पीडीपी उससे दो कदम आगे रहना चाहती है। ऐसे करके नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी सरीखे दल यहां अलगाववाद और एक वर्ग विशेष की तुष्टिकरण की राजनीति को जारी रखना चाहते हैं, वह यहां फिर से अलगाववाद को पैदा करना चाहते हैं, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बर्बादी की तरफ धकेलना चाहते हैं, तभी अनुच्छेद 370 की बहाली का प्रस्ताव लाये हैं। जबकि अनुच्छेद 370 के हटने से घाटी में एक उजाला अवतरित हुआ है, अब फिर से घाटी को अंधेरों से नहीं घिरने देना चाहिए। भले ही नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर का चुनाव ही इसी घोषणा के साथ लड़ा और जीता है कि वह भारतीय संविधान में राज्य को उसका विशेष दर्जा वापस दिलाएगी। इसीलिये नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सत्ता में आते ही पहला काम यही किया और विधानसभा ने राज्य को विशेष दर्जा दिए जाने का प्रस्ताव पारित कर दिया। नेशनल कान्फ्रेंस को लगता है कि विशेष दर्जे के मुद्दे से कुछ लोगों के तार भावनात्मक रूप से जुड़े हैं, इसलिए ज्यादा अतिवादी रूख अपनाकर इसका कुछ राजनीतिक फायदा उठाया जा सकता है। दोनों ही प्रमुख दल इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की होड़ लगाते हुए दिख रहे हैं। तभी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी थी कि यह पीडीपी का केवल प्रचार स्टंट है और उसके विधायक सिर्फ कैमरे के आगे आने के लिए यह सब कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के परम शिष्य मुनि श्री सुव्रत सागर जी महाराज का आज 47वां जन्म दिवस

नांदणी (विश्व परिवार)। आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी मुनीन्द्र के मनीषी शिष्य क्षमा मूर्ति, सेवापुंज, मुनी श्री सुव्रत सागर जी महाराज हैं। गुरु मुख से झरे मोतियों की वे अपने कर्मठ हाथों से माला बनाते है। फिर गुरु परिवार की चेतना को मूर्ति को पहनाते है। आप स्व के साथ पर के आत्मप्रदेश में ज्ञान के दीप प्रज्जवलित करते है। आप ने अपने गुरु के अनमोल मोतियों को प्रसाद की तरह वितरित करने का बीड़ा उठाया है। जैसा कि आप की रुचि लेखन में है तो आप सब को बता दे कि आचार्य श्री ने अभी तक जितने ग्रंथों को लिखा(लगभग 120 से अधिक), चिंतन किया उन सब के संकलन कर्ता मुनि श्री सुव्रत सागर जी ही है। श्रमण मुनि श्री सुव्रत सागर जी के जीवन परिचय : पूर्व नाम –बा. ब्रा.श्री भारत विजय जैन (भरतेश), पिता श्री– प्रकाश चंद्र जी जैन, माता– श्रीमति मुन्नी देवी जैन, जन्म स्थान– आरोन जिला गुना, जन्म दिनाक– 14 नवम्बर 1977, शिक्षा– ब्र.– रू.. ब्रा.व्रत– 2007, मुनि दीक्षा– 14 अक्टूबर 2009, दीक्षा स्थल– अशोकनगर, दीक्षा गुरु– परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज, विशेषता– हिंदी टिकाकार, अध्ययन/ लेखन में रुचि, उपाधि– साहित्याचार्य। आपके लघु भ्राता भी विश्व वंदनीय आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ससंघ में मुनि श्री निस्सीम सागर जी है। नांदणी (महाराष्ट्र) में निर्मित वृषभाचल जैन तीर्थ पर 1 जनवरी 2025 से 9 जनवरी 2025 तक आचार्य विशुद्ध सागर महाराज जी के ससंघ सान्निध्य में और स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक महास्वामीजी नांदणी के अधिनेतृत्व में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा और महा मस्तकाभिषेक संपन्न होगा। **-अभिषेक अशोक पाटील**

नादोत्सव 2024 जैन कला केंद्र की स्थापना के 50 वर्ष, स्वर्णिम जयंती का आयोजन 14 से 17 नवंबर तक जैन भवन भिलाई में

भिलाई (विश्व परिवार)। भिलाई जैन मिलन द्वारा संचालित जैन कला केंद्र सेक्टर 6 जो खैरागढ़ संगीत विद्यालय से मान्यता प्राप्त है दिनांक 14 नवंबर से 17 नवंबर तक स्वर्णिम जयंती कार्यक्रम नादोत्सव आयोजित करने जा रही है नादोत्सव 2024 एवं दीपावली मिलन समारोह का आयोजन जैन भवन सेक्टर 6 में स्वर्णिम जयंती के रूप में। गुरुवार 14 नवंबर 2024 को प्रात: 9:00 स्वर एवं वाद्य 15 नवंबर 2024 को. कथक सेमी क्लासिकल गैर क्लासिकल एवं 16 नवंबर को प्रात: 9:00 बजे भरतनाट्यम का आयोजन होगा 17 तारीख को प्रात: 10:00 बजे पारितोषिक वितरण के साथ समापन कार्यक्रम होगा जानकारी देते हुए प्रदीप जैन बाकलीवाल ने बताया कि जैन मिलन और जैन कला केंद्र के द्वारा इस स्वर्णिम जयंती आयोजन को . सफल बनाने के लिए जैन मिलन और जैन कला केंद्र के सभी सदस्यों से इस आयोजन में अपनी सहभागिता देने का अनुरोध करते हुए आमंत्रित किए हैं जैन मिलन के अध्यक्ष मुकेश जैन मंत्री संजय चतुर. भागचंद जैन ऋषभ जैन प्रिंसिपल श्री कीर्ति व्यास सर जैन कला केंद्र के सभी समिति सदस्य गन इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कहां की प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तारीख 12 नवंबर है और जैन मिलन द्वारा सभी विधि के विजेता प्रतियोगियों को क्रमानुसार लगभग 100000 रुपए का पारितोषिक वितरण मुख्य अतिथि के द्वारा दिया जाएगा और सभी सदस्यों ने इस आयोजन को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अनुरोध करते हुए आमंत्रित किए हैं।

आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष संजय सिंह ने मां सौभाग्यमती माताजी से आशीर्वाद ग्रहण किया

दुर्ग (विश्व परिवार)। जिला आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष पूर्व पार्षद संजय सिंह अपने सहयोगी और टीम के साथ आज प्रात: अमर हाइट में विराजमान गणनी सौभाग्यमती माताजी का दर्शन कर श्रीफल अर्पित कर दुर्ग शहर की विकास और शांति के लिए आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर आपने दुर्ग नगर गौरव छूलिका माताजी समक्ष मति माताजी का दर्शन कर विशेष रूप से आशीर्वाद ग्रहण किया इस अवसर पर आप सभी ने नगर के विकास और शांति के लिए विशेष आशीर्वाद मांगा भारत गौरव गणी आशीर्वाद स्वरुप मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। आशीर्वाद तालाब और सौभाग्य दुर्ग जिला (शहर) अध्यक्ष श्री संजय सिंह महासचिव श्री दिवाकर सिंह ठाकुर महासचिव (संगठन) श्री रवि साहू, उपाध्यक्ष श्री शंकर ठाकुर कोषाध्यक्ष श्री आनंद नरेरा सदस्य श्री राजेश यादव पहूंचे।

पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने दक्षिण के मतदाताओं का आभार जताया

रायपुर (आरएनएस)। दक्षिण विधानसभा चुनाव के मतदान के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुये दावा किया कि दक्षिण की जनता ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। मतदान केंद्रों के बाहर कांग्रेस के पंडालों में उमड़े जन समुदाय से साफहो रहा था, जनमत कांग्रेस के पक्ष में है। यहां से कांग्रेस के युवा प्रत्याशी आकाश शर्मा प्रचंड बहुमत से चुनाव जीतेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पूरे चुनाव अभियान को कांग्रेस पार्टी ने सकारात्मकता के साथ किया। कांग्रेस ने पूरी एकजुटता के साथ चुनाव लड़ा, हमारे सभी बड़े नेता, विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री, पदाधिकारीगण, कार्यकर्तागण पूरी तन्मयता के साथ चुनाव अभियान में जुटे हुए थे। एक ओर जहां कांग्रेस की एकजुटता दिख रही थी, वही भाजपा का बिखराव भी जन चर्चा का विषय बना हुआ था।

भगवान की भक्ति हमारे जीवन में लाती है सकारात्मक परिवर्तन : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। भगवान की भक्ति हमारे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाती है, और यही भक्ति हमारे जीवन की उन्नति का आधार बनती है। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने विजयनगर में चल रहे श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के छंटवे दिवस विजयनगर चौराहे पर बने विशेष पूजा पांडाल में व्यक्त किये।

मुनि श्री ने कहा कि जैन परंपरा में भगवान की पूजा, आराधना के दो ही उद्देश्य हुआ करते है पहला है व्यक्तिगत निराकुलता और दूसरा है विश्वकल्याण की भावना इसीलिये प्रतिदिन पूजा की शुरुआत शांतिधारा के मंत्रो से तथा पूजा का समापन शांति पाठ के मंत्रों से सभी जीवों की सुख शांति के विश्व में शांति की भावना से किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज पंच परमेष्ठी की आराधना करते हुये पांच सौ बारह अर्घ प्रभु चरणों मैं समर्पित किये तथा आने वाले दिन भक्ति का चरम रुप प्रस्तुत होगा एवं एक हजार चौवीस अर्घ चड़ाकर भगवान के सहस्त्रनाम पूजा संपन्न की जाऐगी ।तथा सुक्रवार को इस महाआराधना का समापन 108 रथावर्तन समारोह से होगा जिसकी छंटा अलग ही निराली होगी। उन्होंने कहा कि इस महापूजा में सभी लोग सम्मलित नहीं हो पाये सभी का प्रवेश सम्भव नहीं हो पाया इतना बड़ा पांडाल भी छोटा पड़ गया, कोई बात नहीं अभी भी अवसर है, जो लोग इस पांडाल में आकर पूजा नहीं कर पाऐ है वह सभी को समवसरण देखने का यह अवसर छूटना नहीं चाहिए और 15 नवम्वर को108 रथावर्तन महोत्सव में भगवान के समवसरण का दर्शन करना चाहिये। धर्म प्रभावना समिति के प्रवक्ता अविनाश जैन तथा मीडिया प्रभारी राहुल जैन ने बताया 7 नवम्वर को विधान 108 जिन विम्वों के साथ 108 मंडल के द्वारा प्रारंभ किया गया था उसका समापन 15 नवम्वर सुक्रवार को विशाल रथावर्तन महोत्सव 108 रथों के साथ समापन होंने जा रहा है, जिसमें राजस्थान मध्यप्रदेश उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से तथा प्रमुख नगरों से स्वर्ण, रजत, एवं काष्ठ रथों को एक साथ देखने का सौभाग्य इंदौर शहर को मिलने जा रहा है। विशाल रथयात्रा 15 नवम्वर को कार्यक्रम स्थल विजयनगर से प्रात:8 बजे प्रारंभ होगी जो की एल आई जी चौराहा, पाटनी पुरा चौराहा, भमोरी चौराहा से होते हुये रसोमा चौराहे से वापिस कार्यक्रम स्थल विजयनगर पर 12 बजे तक वापस आऐगी। सकल जैन समाज इंदौर एवं धर्मप्रमावना समिति आपसे निवेदन करती है कि उपरोक्त महोत्सव में आप अपने परिवार सहित पधारें और धर्म लाभ लें अपील कर्ताओं में अध्यक्ष अशोक डोसी, महोत्सव अध्यक्ष नवीन गोधा, महामंत्री हर्ष जैन, कार्यक्रम अध्यक्ष धर्मेन्द्र जैन सिन्केम, मुकेश पाटौदी, रथावर्तन महोत्सव समिति के संयोजक जिनेश जैन झांझरी, पवन सिंघई, सभी भोजन शाला के पुण्यार्जक गिन्नी गुरुप परिवार सहित धर्म प्रभावना समिति के सभी पदाधिकारिओं ने तथा सदस्यों ने सभी धर्म श्रद्धालुओं से उपरोक्त कार्यक्रम में शामिल होंने की अपील की है। साथ ही निवेदन है कि इस रुट पर प्रात: 7 बजे से दौपहर 12 बजे तक उपरोक्त रुट से वाहन का आवागमन न करें। **-अविनाश जैन**

विचित्र बाते प्रणेता मुनी श्री सर्वार्थ सागर जी महाराज ने कहा- जीवन में संपत्ति श्रेष्ठ नहीं, शांति श्रेष्ठ है

नांदणी (विश्व परिवार)। जीवन में संपत्ती श्रेष्ठ नहीं हैं, शांती श्रेष्ठ हैं। कषाय की एक कणिका शांत परिणामों को अशांत कर देती हैं। प्रमाड का एक पल जीवन की एक छोटी सी भी भूल जीवन भर को यशकीर्ती को धुमील कर देती है। जैसे अग्नी को एक चिंगारी विनाश के लिए पर्याप्त है। शांती भंग करने के लिए एक शत्रू बहुत है।

मुनि श्री सर्वार्थ सागर जी महाराज ने बताया कि चर्या शिरोमणी आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज एक ऐसे संत है जिनकी आध्यात्म की गेहराई से सत्यार्थ का बोध होता है। ये एक ऐसे संत है की जिनकी आगमयुक्त वाणी से एकांतवादीयों के मान का खंडन हो जात है। ये एक ऐसे संत है जिनकी मौन रुपी सत्र से महान से महान कार्य संचारीत हो जाते है। ये एक ऐसे संत है जिनके चरणो में शीतलता मिलती है। जिनकी एक मुस्कुराहट से सारी थकान मीट जाती है। ये वो संत है जिनकी एक छवी से सारे दु:ख दर्द मीट जाते है। ये ऐसे संत है जिनके रोम रोम में णमोकार मंत्र की मेहक है।

गुरू के उपकारोंको सदैव स्मरण करना है। बंधुओ क्या आपको पता हैं? आपके यहाँ भगवान महावीर स्वामी के प्रतिनिधी चलकर आए हैं। आपने भगवान महावीर स्वामीजी को तो नहीं देखा, किंतु ये दिगंबर मुद्रा भगवान महावीर स्वामी का दिग्दर्श कराती है। यह हम सबके श्रद्धा के केंद्र, आस्था के देवता और सम्यक पथ को बताने वाले, हमारे गुरू चर्याशिरोमणी आचार्य भगवन विशुद्धसागरजी महाराज हैं। यह हमेशा जिवन में याद रखना हैं। कहते हैं की हृदय का मैल जल से नहीं; संतों के चरण रज से धुलता हैं। चर्या शिरोमणी आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के शिष्य श्रमण मुनी श्री अनुत्तर सागर जी महाराज, श्रमण मुनी श्री प्रणेय सागर जी, श्रमण मुनी श्री प्रणव सागर जी, श्रमण मुनी श्री सर्वार्थ सागर जी, श्रमण मुनी श्री संकल्प सागर जी और श्रमण मुनी श्री सदभाव सागर जी महाराज जी का उपसंघ मालगाव (महाराष्ट्र) में विराजमान हैं। **-अभिषेक अशोक पाटील**

पारसोला में सर्वतोभद्र विधान हुआ प्रारंभ

पारसोला (विश्व परिवार)। पंचमपट्टाघीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज संघ सहित पारसोला में विराजित है 13 नवंबर से आचार्य श्री के संघ सानिध्य में स्थानीय श्याम वाटिका में सर्वोत्तौ भद्र विधान की महापूजन प्रारंभ हुई।

आज प्रात: काल सन्मति भवन में नंदी विधान की क्रिया सोंधर्म इंद्र, चक्रवर्ती इंद्र सामान्य इंद्र द्वारा की गई। नगर के सभी जिनालय, श्री पारसनाथ बड़ा मंदिर, श्रीआदिनाथ जिनालय श्री पदम प्रभु मंदिर, श्री महावीर जिनालय में स्थित सभी जिनराज से कार्यक्रम की सफलता के लिए श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद भी पंचम पट्ट आचार्य श्री वर्धमान सागर की महाराज से श्रीफल भेंटकर कार्यक्रम हेतु निवेदन किया एवं कार्यक्रम की सफलता के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। जयंतीलाल कोठारी अध्यक्ष हूमड़ समाज तथा ऋषभ पचौरी अध्यक्ष वर्षायोग समिति ने बताया कि सभी जिनालय और आचार्य श्री सभी का आशीर्वाद प्राप्त कर घट यात्रा तीनों जिनालयों के श्री जी सहित समस्त इंद्रो के साथ श्यामा वाटिका में पहुंची जहां पर प्रतिष्ठाचार्य कीर्तिय पंडित के निर्देशन में मंत्रोच्चार पूर्वक ध्वजारोहण रिषभ चंदावत सौधर्म इंद्र श्रीमती तारासेठी कोलकाता एवं आरती सनत जैन इंदौर चक्रवर्ती परिवार के द्वारा किया गया। राजेश पंचोलिया इंदौर ने बताया महिलाओं द्वारा मंडप शुद्धि जल द्वारा की गई। दोपहर को आचार्य श्री वर्धमान सागर जी सहित समस्त साघुओ के सानिध्य में सर्वतोभद्र विधान मंडल पर पूजन प्रारम्भ हुई। आचार्य वर्धमान सागर जी एवं श्री हितेंद्र सागर जी ने चढ़ाया जाने वाले अर्घ्य का वाचन कर महत्व बताया।

सम्पूर्ण भारत वर्ष समा रहा है राजधानी दिल्ली में, भगवती जिनदीक्षा महामहोत्सव में बढ़ रहे हैं गुरु भक्तों के कदम

दिल्ली (विश्व परिवार)। जीवन है पानी की बूंदे महाकाव्य बिल्की मूल रचना है। देश और धर्म के लिए जिओ जिनकी इस सौतिक रचना को मध्यप्रदेश शिक्षा बोर्ड में शामिल किया गया है। जिनके मौलिक महनीय अवदानों से सम्पूर्ण धरा गौरवान्वित हो रही है, ऐसे अलौकिक अभूतपूर्व व्यक्तित्व-कृनित्य को धारण करने वाले राष्ट्रपोगी सारंग सर्व शुरुदेव श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज का 50 वीं जन्म अपनी महोत्सव वर्ष 2022-2024 का समापन विधि विमर्श उत्सव के रूप में 13 नवम्बर बुधवार को राजधानी दिल्ली के 'जिनतीर्य मण्डपम् ष्ट्क्ष्ठ ग्राउण्ड में स्वमान्न किया गया 10 भगवती जिनरीता महामहोत्सन के सुवृहद अनुष्यान में आचार्य शुरु के स्वर्णिम विगर्स उत्सभ के समापन के साथ वर्ष 20211 में ज्ञाजधानी में चातुर्मासरत विशाल चतुर्विध संघ का भव्य विच्छिका परिवर्तन भी सम्पन्न हुआ। मधातून अनुष्कान के प्रारंभ में सभाका चित्र अनावरण साई दीप प्रज्वलन पूर्व शिक्षा मंत्री श्री अरविन्द सिंह लवली जी, पूर्व निगम पार्षद सुरेन्द्र शर्मा एवं जिलाध्यक्ष अमित सूद, शैलेष जैन, बोबी हाजरी द्वारा किया गया एवि जैन' शुरुजी के साथ अनेक ज्योतिषी विद्वानों ने आचार्य भगवन के -चरणों में समर्पित किया अभिवन्दना पत्र भारत वर्ष के कोने-कोने से आड हुए सूर्धन्य विद्वान श्री शीतल प्रसाद जी, डॉ. श्रेयांस जैन बडाँत, प्रो. श्रीगांश जैन जयपुर, प्रो. मालिन के शास्त्री विनोद जैन रजवास एवं ज्योतिषाचार्य रवि जैन गुरुजी द्वारा आचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज के महनीय व्यक्तिला एवं कृतित्व पर आप विना समाति की गई। विद्वानों ने कहा आचार्य श्री अपनी निर्माण साधना के द्वारा स्वोपकार के साथ अपने कृमित्व एवं चेतन अचेतन कतियों द्वारा सम्पूर्ण जिनुशासन एवं समूची धरा को ज्ञान चारित्र से आलोकित कर रहे हैं। आचार्य श्री में जैन एकता के लिए जिनागम पंध का दिया सूत्र प्रशन कर अद्भुत जिनशासन की प्रभावना की है।

आयात वाचस्पति अं. ब्रोपांस जैन बड़ौत से सम्मानित किया गया विमर्शरल विमर्श रेल अलंकरण से एवं पिया भावलिंगी संत पुरुस्कार। ज़ आयोजन का मुख्य आकर्षण केन्द्र रहा बाल ब्रह्मचारिणी विमरार्गानुरागिनी विशु दीदी का यह संघर्ष जब उनके जीवन में कर्मो की काली घटायें छा रहीं थीं और गुरु विमर्श के शुभाशीष एवं अपनी अपरिमित गुरु भक्ति से सभी संघर्षों की गर करते हुए आज संयम शिखर पर कदम बढ़ा रहीं हैं। लघु नारिका द्वारा प्रस्तुत किया गया इस पंचम काल का महान अतिशय। भजन सम्राट श्री संदेश जैन आचार्य शुरुवर विसारिखागर जी महामुनिराज के आशीष से आज एवर दुनिया के सलाम बन रहे है, परम भाई रूपेश जैन को आश्चर्य सुरुवर विधिभार जी मुनिराम के वादकूल में ही विमाहिला अलंकरण से उनका गौरव बढ़ाया गया। वर्णिम विमर्श उत्सव महोत्सव के अवसर पर भावलिंगी संत झाचार्य गुरुदेव श्री विमर्श सागर जी महामुनिराज की महापूला देश भर में पधारे एवं स्थानीय राजधानी दिल्ली के परम गुरु भक्तों द्वारा सम्पादित की गयी।

इसी पवित्र अवसर पर प्रखर वक्ता बाढ ब्र. आशीष जैन पुष्पांश जी को भी परम गुरू शकत का दर्जा प्रदान करते हुए विमर्श रल अलंकरण से सम्मान कर उनका गौरव बढ़ाया गया। स्वर्णिम विमर्श उत्सव एवं भगवती जिनदीक्षा महोत्सव की सुवृहद्ध श्रृंखला में चतुर्विध संघ का भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह भी सम्पन्न किया गया। जिसमें मरमपूज्य आचार्यश्री विमर्शसागर जी महामुनिराज की एवं चतुर्विध संघ की नवीन पिच्छिका भेंट करने का सौभाग्य परम गुरु भक्तों को प्राप्त हुआ वहीं गुरुदेव की एवं समस्त संघ की पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने का साँधाम्य भी धर्ममार्ग पर अपने मागामी कदम बढ़ाने बालों को प्राप्त हुआ। संध्या बेला में सुप्रसिद्ध भजन गायक विक्की डी पारिस मुम्बई द्वारा दीक्षार्थियों के समक्ष वैरागी विदाई समारोह भी आयोजित किया गया।

14 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से आदर्शमहाकवि आचार्यश्री विमर्शसागर जी महामुनिराज के चरणों में बैनकर डॉ. कुमार विश्वास करेंगे काव्य पार। शाम 05 बजे से निकलेगी अभूतपूर्व महा विनौली यात्रा रात 10 बजे होगा अद्भुत ड्रोन शी। 15 नवम्बर सम्पूर्ण भारत लोकों की आरखे होगी भगवती जिनदीक्षा महोत्सव के साथ समूचा विश्व जहाँ आयोजित होगा।

सूक्ष्म जीवों की रक्षा करने में सहायक होती है पिच्छिका : मुनि श्री अभयसागर जी महाराज

मुनिश्री अभयसागर जी महाराज ससंघ का हुआ पिच्छिका परिवर्तन, शहपुरा मे छाये शहर के सितारे जैन युवा वर्ग ने दी भव्य प्रस्तुति

अशोकनगर (विश्व परिवार)। संस्कारधानी जबलपुर के शहपुरा मे विराजमान आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के शिष्य मुनि श्री अभयसागर जी, मुनि श्री प्रभातसागर जी, मुनि श्री चन्द्र सागर जी महाराज मुनिश्री निरिह सागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री उद्यमसागरजी क्षुल्लक श्री गरिष्ठसागरजी महाराज का भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह हथकरघा परिशर मे अशोकनगर की प्रमुख युवा सस्था जैन युवा वर्ग दारा भव्य संगीतमइ सांस्कृतिंक प्रस्तुति के साथ भव्य रूप कराया गया।

जैन समाज शहपुरा के आमत्रंण पर पहुचे जैन युवा वर्ग के पूर्व अध्यक्ष विजय धुर्रा ने समारोह का संचालन करते हुये कहा कि यह समारोह संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के गुरूगुणानुवाद को हम सांस्कितक रूप उनके जीवन की विशिष्ट घटनाओ से जोड़कर विभिद मध्यमो से लेकर आये है हम सब का सौभाग्य है कि ऐसे महासंत के हमे दर्शन मिलते रहते हैं हमें शहपुरा समाज का आमंत्रण मिला तो इस अवसर को हमने गुरु भक्ति से जोड़ा है हम सब यहां गुरु भक्ति करने आये है

समारोह में संगीतमई प्रस्तुति देते हुये शैलेन्द्रश्रगार ने कहाकि पिच्छिका परिवर्तन समारोह को हमने इस बार कुछ अलग तरह से सजाया है आप जुड़ें और आनंद ले इसके बाद एक गीत की प्रस्तुति धरती अम्बर एक वना देंगे भारत माता के मान को बड़ा देंगे गीत के साथ चंद्रयान थीरि की सफलता के साथ मुनि श्री अभय सागरजी महाराज की पिच्छिका को मंच तक लाया गया जिसे नगर के युवाओं द्वारा चन्द्र यान से उतर कर सभी वाल ब्रह्मचारिणी वहनों दारा विमोचित किया गया। पूज्य मुनि श्री को संयम को स्वीकार करते हुये नौ परिवारों ने पूज्य मुनि श्री के कर कमलों भेंट की जिसे मुनि श्री ने अपनी पुरानी पिच्छी लेने का सौभाग्य हथकरघा के भइया जी और उनके परिवार को मिला। वहीं पर मुनि श्री प्रभात सागर जी महाराज की पिच्छिका को एरावत हाथी अपनी सूंड़ पर लेकर आता हैं इस दृश्य मे विद्याधर की विनौली मे श्रेष्टी वर्ग नाचते गाते झुमते हुये आगे आगे अपनी खुशी दर्साते हुये पिच्छिका लाये जिसका विमोचित ब्रह्मचारी भ इया के साथ ही प्रसारण पुण्यजक अनिल जैन अंकित मित्रा अर्पितमित्रा ने किया इसके वाद संयमी छः परिवारों ने मुनिश्री को भेट की मुनिश्री प्रभात सागर जी की पुरानी पिच्छिका के परिवार को मिलता।

नाव के द्वारा भक्त द्वारा लाई गई नवीन पिच्छिका : मुनि श्री चन्द्र सागर जी महाराज की पिच्छिका का कहानी को आगे वड़ाते हुये आचार्य श्री के साथ जुड़े एक प्रसंग जव आचार्य श्री अशोक नगर जिले में नाव द्वारा प्रवेश करते हैं तो उसे गीतों में सजाकर परोसें है श्रावकों के माध्यम से नवीन पिच्छिका प्राप्त होती हैं, जिसे पाठशाला की सभी वहने विमोचित कर संयमी परिवार को सोंप देती हैं, और वह नवीन पिच्छिका मुनि श्री अभयसागर जी महाराज मुनि श्री चन्द्र सागर जी महाराज को सोंपते हैं और मुनि श्री की पुरानी पिच्छिका भक्तों को संयम के व्रत लेंने पर दी जाती है वहीं मुनि श्री निरिह सागर जी महाराज की पिच्छिका हथकरघा की झांकी को लेकर आई इस दौरान बालिका युवा वर्ग की बेटियों ने नृत्यमई स ंस्क ृतिक प्रस्तुतीयादी साथ ही क्षुल्लक जी को भक्तों ने वस्त्र भेंट किए इस अवसर पर श्री चातुर्मास कमेटी, श्री सकल दि. जैन समाज समिति शाहपुरा जवलपुर के पदाधिकारिओं नेअशोकनगर जैन युवा वर्ग संरक्षक विजय जैन धुर्रा सरंक्षक शैलेन्द्र श्रगार अध्यक्ष सुलभ अखाई सचिन एन एस अकिंत सन्तूरा टिकल जैन मन्टू छाया निक्कू वर्तन मोहित मोहरी अभिषेक ठेकेदार शरद बजाज सहित पुरी टीम का सम्मान अध्यक्ष नरेंद्र जैन सतीश चावल विजय लमेहटा सचिन जैन राहुल जैन ने तिलक युवाओं सम्मानित किया

अशोकनगर के युवाओ से हो गई है रिस्तेदारी : इस दौरान मुनिश्री प्रभातसागरजी ने कहा कि अशोकनगर जैन युवा वर्ग के ये कार्यकर्ता महिनो पहले से पिच्छिका परिवर्तन की तैयारीया करते रहते है आपके यहा तीन दिन मे इन्होने सब कुछ नही कर लिया ये पहले से काम में लगे रहते हैं तव कही ऐसेआयोजन हो पाते हैं उन्होंने कहा कि दो हजार सौलह का चातुर्मास अशोकनगर मे हुआ तव से ही इनसे रिस्तेदारी हो गई इसके व ललितपुर खुरई बडा आना हुआ और हम लोगों के यहा आने पर यहा भी भव्य प्रस्तुति देकर अपने नगर का गौरव बढ़ाया।

पिच्छिका परिवर्तन ने सभी का मन मोह लिया-अभयसागरजी : मुनि श्री ने कहा कि पिच्छिका परिवर्तन एक वंद कमरे में भी हो सकता हें, लेकिन यह कार्यक्रम संयमोत्सव के रुप में मनाया जाता है इसमे अशोक नगर के युवाओं ने आचार्य श्री की दीक्षा के प्रसंग से जोघकर यह प्रस्तुति दी ये वच्चे वहुत महनत करके पिच्छिका परिवर्तन जैसे कार्य को भी भव्यता दे सकते है जिसे आपने देखा जैन युवा के सभी कार्यकर्ताओ को वहुय आशीवाद के साथ साधुओं का सानिध्य आप सभी को इसी प्रकार मिलता रहे इसी भावना के साथ मुनि श्री ने मयूर पिच्छिका के गुणों को वताते हुये कहा कि जैसे मुनिराज का मन वहूत ही कौमल होता हैं, उसी प्रकार यह पिच्छिका भी वहूत कौमल होती हैं धूल रोधी अत्यत हलकी साधु इसे हमेशा अपने पास रखते है। **-विजय धुर्रा**

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर गुरूवार 14 नवंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। जिले की चिखली पुलिस ने एक नाबालिग को डरा धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले मे आरोपी के धारा 65(2),64(2)(ड),351(2), 332(ए),115,127 बीएनएस, 4,6 पाक्सो एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। मिली जानकारी के अनुसार एक महिला ने चिखली चौकी में शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसकी नाबालिक बेटी को डरा धमका कर परिजनो के अनुपस्थिति मे परिजनो व नाबालिक पीड़िता को जान से मारने की धमकी देकर उसके किरायेदार के मकान मे जबरदस्ती लगातार शारीरिक संबंध बनाते रहे कि रिपोर्ट पर धारा सदर 65(2),64(2)(ड),351(2), 332(ए),115,127 बीएनएस, 4,6 पाक्सो एक्ट भादवि अपराध कायम कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहूल देव शर्मा व नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदर्शन में तत्काल चिखली पुलिस टीम तैयार कर पतासाजी किया गया और आरोपी नवल किशोर वर्मा पिता भागीरथी वर्मा उम्र 40 साल साकिन शंकरपुर को शंकरपुर मे छिपने की पुख्ता सुचना पर घेराबंदी कर उसके घर से पकड़ा गया तथा कड़ाई से पुछताछ की गई। जिसमें आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया।

ग्रामीण उत्साह से सराबोर बस्तर ओलंपिकरू पारंपरिक खेलों का अनोखा संगम

सुकमा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जनजातीय संस्कृति को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बस्तर ओलंपिक के आयोजन का निर्णय लिया गया है। इस अनूठी पहल का उद्देश्य पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना, खेल प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़कर उनके विकास का मार्ग प्रशस्त करना है। बस्तर ओलंपिक में 14 से 17 वर्ष और 17 से अधिक आयु वर्ग के युव वर्ग सहित ग्रामीण एवं महिलाएं शामिल हो रही है। इस आयोजन के अंतर्गत कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नम्रता जैन के मार्गदर्शन में जिले के तीनों विकासखंड सुकमा, कोंटा, और छिंदगढ़ के मुख्यालयों में मंगलवार को विकासखण्ड सुकमा अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनाकुकानार, नीलावरम, मुरतोण्डा, रामपुरम, नागारास, जीरमपाल, विकासखण्ड छिंदगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत तोगपाल, मारेंगा, टाहकवाडा, पेरमारास, हमीरगढ़. लेदा, जैमेर, सगुनघाट, कनकापाल, चिड़पाल, पालेम, कवराकोपा, कुमाकोलेंग, चिउरवाड़ा और विकासखण्ड कोंटा अंतर्गत ग्राम पंचायत जगरगुण्डा, कुन्देड़, सिलगेर, कोण्डासावली, तारलागुड़ा, गुमोड़ी, चिमलीपेन्टा, कामाराम, गोदपल्ली के युव वर्ग सहित ग्रामीण एवं महिलाएं बड़े उत्साह एवं उमंग से शामिल हो रही है।

मुख्यमंत्री ध्यानाकर्षण यात्रा की किसान संघ ने की समीक्षा

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री ध्यानाकर्षण यात्रा की समीक्षा बैठक सोमवार 11 नवम्बर को कृषि उपज मण्डी में हुई। उल्लेखनीय है कि राजीव गांधी न्याय योजना की बकाया चौथी किस्त, 117 रू समर्थन मूल्य वृद्धि का लाभ देते हुए 3217 प्रति क्वि. की दर से धान खरीदी एवं पूरे तीन महिने धान खरीदी तथा ग्रीष्मकालीन धान को हस्तोत्साहित नहीं करने संबंधी मांग की ओर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित करने 6 नवम्बर बुधवार को बड़ी संख्या में राजनांदगांव से रायपुर जाने किसान कृषि उपज मंडी राजनांदगांव पहुँचे थे। जहाँ प्रशासन रबी धान में प्रतिबंध और आर्थिक जुर्माना नहीं होने की बात बताई और यात्रा को अंजोरा तक ले जाने एवं प्रतिनिधि मंडल द्वारा मुख्यमंत्री निवास पहुँचकर ज्ञापन देने का प्रस्ताव दिया जिसे किसानों ने स्वीकारा लेकिन प्रतिनिधि मण्डल को कुम्हारी टोल में रोककर ज्ञापन देने कहा गया जिसे प्रतिनिधि मण्डल ने स्वीकार नहीं किया। प्रतिनिधि मण्डल को आगे रायपुर भी नहीं जाने दिया गया। समीक्षा के दौरान प्रशासन द्वारा प्रतिनिधि मण्डल को धोखा देने के कृत्य को गैर जिम्मेदाराना, उकसाने वाला एवं निंदनीय बताया गया वही मानपुर पुलिस द्वारा किसानों को यात्रा में शामिल होने से रोकने की कार्यवाही को दमनकारी एवं आलोकतांत्रिक ठहराया गया। जिला प्रशासन राजनांदगांव एवं मानपुर पुलिस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव बैठक में सर्व सम्मति से पारित किया गया। मुख्यमंत्री को डाक से भेजे ज्ञापन:- समीक्षा बैठक में गाँव-गाँव में हस्ताक्षर अभियान चलाकर तैयार किए गए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन को उन तक भेजने पर चर्चा हुई। पूर्व में प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन भेजा गया था। मुख्यमंत्री से मिलने का समय भी मांगा गया था न मिलने का समय मिला न ही कोई सूचना मिला। मुख्यमंत्री निवास जाकर इन्ही ज्ञापनों को देना चाहे तो पहले यात्रा को मना किया गया फिर प्रतिनिधि मण्डल के साथ धोखेबाजी कर रोका गया।

कलेक्टर तुलिका ने धान खरीदी केंद्रों का किया मुआयना

पारदर्शिता के लिए लगाए गये सीसीटीवी कैमरा, निगरानी के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई

मोहला(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने आज जिले में धान खरीदी की तैयारी का मुआयना किया। उन्होंने मानपुर, भर्रीटोला, खरदी, गोटाटोला कौड़ीकसा धान खरीदी केंद्र पहुंचकर व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने धान खरीदी को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। धान खरीदी में कोई गड़बड़ी ना हो और पारदर्शिता पूर्वक धान की खरीदी हो, यह सुनिश्चित करने कहा है। उन्होंने निर्धारित 34 बिन्दुओं की चेकलिस्ट के अनुसार धान खरीदी हेतु सभी व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देशित किया है। कलेक्टर ने धान खरीदी केन्द्रों में किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने निर्देशित किया है। धान खरीदी की सतत निरागनी रखने तथा कोचियों एवं बिचौलियों से अवैध धान की खरीदी-बिक्री पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की सभी आवश्यक तैयारियां प्रारंभिक तौर पर पूर्ण कर ली गई है। जिले के 27 धान खरीदी केंद्रों में किसानों से धान की खरीदी होगी। जिले में धान खरीदी को पारदर्शिता बनाने के लिए सभी 27 धान खरीदी केंद्रों में सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। धान खरीदी में गड़बड़ी को रोकने और पारदर्शिता बनाये रखने के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। जिले में 44810 किसानों से धान की खरीदी होगी। खरीफ वर्ष के अंतर्गत जिले में 67275 हेक्टेयर रकबा का पंजीयन किया गया है। धान की खरीदी बायोमेट्रिक तरीके से किया जाएगा बायोमेट्रिक काम नहीं करने की स्थिति में निर्धारित नॉमिनी के साथ-साथ ट्रस्टेड पर्सन का प्रावधान किया गया है। जिससे किसानों को धान विक्रय करने में कोई दिक्कत ना हो। धान उपार्जन केंद्रों में 50-50 अनुपात में नए व पुराने बारदानों से धान की खरीदी की जाएगी। धान खरीदी केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में बारदाने की व्यवस्था की गई है। किसानों की सुविधा, सहूलियत को ध्यान में रखकर पर्याप्त मात्रा में बैठक व्यवस्था, छाया की व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित किया गया है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिला महाराष्ट्र राज्य की सीमा से लगे होने के चलते यहां सीमावर्ती जिले से धान का परिवहन यहां ना हो, इसके लिए चेक पोस्ट बनाया गया है। चेक पोस्ट में तैनात कर्मचारी अन्य राज्य या अन्य जिले से आने वाले धान पर पैनी निगरानी रखेंगे। किसानों का धान के त्वरित भुगतान के लिए सभी समितियां में माइक्रो एटीएम की व्यवस्था किया गया है। जिले में धान के शीघ्र उठाव के लिए राइस मिलर्स का पंजीयन कराया जा रहा है परिवहन कर्ताओं से अनुबंध कर लिया गया है। किसानों की सुविधा के लिए टोकन तुहर हाथ मोबाइल ऐप के माध्यम से किसानों द्वारा स्वयं टोकन जारी किया जा रहा है।

बस्तर ओलम्पिक 2024 का सुचारू ढंग से आयोजन सुनिश्चित करें : सीईओ

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा ने आज कलेक्ट्रेट के डंकनी सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक में विभिन्न विकास कार्यों सहित विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की। वहीं उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के कारगर क्रियान्वयन पर जोर देते हुए पात्र सभी लोगों को सेचुरेशन किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से विभागीय गतिविधियों और कार्यों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विकास कार्यों की प्रगति, जनकल्याणकारी योजनाओं का कार्यान्वयन और समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई। जिला पंचायत सीईओ ने बैठक के दौरान सहकारी समितियों द्वारा पंजीयन का कार्य अतिशीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश। जिले में चल रहे निर्माण कार्यों को तेजी से संचालित कर नियत समयावधि में पूर्ण किए जाने कहा। उन्होंने जिला स्तरीय सभी अधिकारियों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होने आय, जाति, निवास, जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय हेतु अभियान चलाया जाकर सेचुरेशन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। नक्सली हिंसा पीड़ितों के पुनर्वास हेतु आवास के लिए भूमि की उपलब्धता तथा अन्य सहायता प्रदान किए जाने कहा। सीईओ जिला पंचायत ने जिले के 600 आंगनबाड़ी केन्द्रों का सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्र के रूप में उन्नयन तथा पात्र महतारी लाभार्थियों को उनकी बेटियों के लिए सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित कर उनके बेहतर भविष्य के लिए बचत को प्रोत्साहित किए जाने के निर्देश दिए। इसके अलावा सखी वन स्टॉप सेंटर के भवन निर्माण की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए। जिले के अन्य विभागों द्वारा विद्युत विभाग से संबंधित कार्य के लिए डीडी का भुगतान करने के उपरांत भी विद्युत विभाग द्वारा पूर्ण नहीं किए गए कार्यों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए। वहीं इन कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किए जाने कहा। जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल प्रमाणीकरण की स्थिति, अपूर्ण टंकियों का निर्माण एवं एफएचटीसी कार्यों में अद्यतन प्रगति लाए जाने के निर्देश दिए। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सभी कार्यालयों में हर महीने के तीसरे शनिवार को साफ-सफाई कर अपशिष्ट पदार्थों को डिस्पोजल किए जाने कहा गया।

कलेक्टर ने जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन के संबंध में आदिवासी समाज प्रमुखों की ली बैठक

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन के संबंध में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आदिवासी समाज प्रमुखों की बैठक ली। बैठक में आदिवासी समाज के पदाधिकारी तथा समाज सेवक उपस्थित थे। कलेक्टर श्री अग्रवाल कहा कि शासन की विभिन्न जनकल्याकारी योजनाओं से आदिवासी समाज के हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन 13, 14 एवं 15 नवंबर 2024 को किया जाएगा। राजनांदगांव जिले में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन 15 नवंबर 2024 को पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम गौरव पथ राजनांदगांव में किया जाएगा। जिसके अंतर्गत दोपहर 2 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा तथा शाम 4 बजे मुख्य अतिथि का आगमन होगा। कलेक्टर ने समाज प्रमुखों एवं नागरिकों से कार्यक्रम में सम्मिलत होने का आग्रह किया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने बताया कि जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद संतोष पाण्डेय द्वारा की जाएगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक डोंगरगांव श्री दलेश्वर साहू, विधायक खुज्जी श्री भोलाराम साहू, विधायक डोंगरगढ़ श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल, महापौर नगर पालिक निगम राजनंदगांव श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती गीता घासी साहू, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्री विक्रांत सिंह, अध्यक्ष जनपद पंचायत राजनंदगांव श्रीमती प्रतीक्षा सूर्यकांत भंडारी, अध्यक्ष जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव श्री सचिन बघेल, समाजसेवी श्री रमेश पटेल उपस्थित रहेंगे।

जिला प्रशासन ने की अवैद्य धान भंडारण पर बड़ी कार्यवाही

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं मार्गदर्शन में जिले में अवैध धान खरीदी, बिक्री एवं भंडारण पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में आज उड़नदस्ता दल द्वारा विकासखंड छुरा अंतर्गत ग्राम रसेला में छापामार कार्यवाही के दौरान 750 कट्टा अवैध धान जप्त किया गया। दरअसल तहसीलदार श्री रमेश मेहता के नेतृत्व में सहकारिता एवं मंडी विभाग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा ग्राम रसेला स्थित साहनी सामुदायिक भवन का औचक निरीक्षण किया गया। भवन के अंदर लगभग 750 कट्टा धान अवैध रूप से डम्प किया जाना पाया गया। पूछताछ करने पर ग्राम का निवासी हरिहर यादव द्वारा किसानों से धान खरीदना स्वीकार किया गया। लेकिन हरिहर यादव के पास फुटकर धान खरीदने का लाइसेंस नहीं है। इस प्रकार अवैध रूप से धान का क्रय एवं भण्डारण करना पाया गया। उक्त भंडारित धान को जप्ती कर भवन को सील किया गया। उक्त प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

बस्तर ओलम्पिक में युवाओं के साथ महिलाएं भी दिखा रही दमखम

सुकमा(विश्व परिवार)। बस्तर के युवाओं को खेलों के माध्यम से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर बस्तर के युवाओं को मुख्यधारा में जोड़ने सहित उनकी खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है। इस अनूठी पहल का उद्देश्य पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना, खेल प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़कर उनके विकास का मार्ग प्रशस्त करना है। इसकी शुरुआत सुकमा जिले के विकासखण्ड छिंदगढ़, सुकमा और कोंटा में हो चुकी है। गांव-गांव से सीधे विकाखण्ड स्तर पर खेलने आये लोगों में उल्लास और जोश का संचार कर रहा है, जिसमें बच्चे, बड़े, महिलाएं और बुजुर्ग सभी बड़े उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। बस्तर ओलंपिक में कबड्डी, ऊंची कूद, लंबी कूद, रस्साकसी, खो-खो, फूटबाल, वॉलीबाल और तीरंदाजी जैसे खेल शामिल किए गए हैं। इन खेलों का आयोजन न केवल बच्चों और युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रहा है बल्कि महिलाओं और बुजुर्गों में भी जबरदस्त क्रेज देखा जा रहा है। बस्तर ओलंपिक के रूप में ये खेल संस्कृति और एकता के प्रतीक बन गए हैं, जो बस्तर क्षेत्र में विशेष महत्व रखते हैं। छिंदगढ़ विकासखण्ड के ग्राम मारेगा की निवासी श्रीमती लक्ष्मी नाग ने तीरंदाजी स्पर्धा में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा इस आयोजन ने हमारे बचपन की पुरानी यादें ताजा कर दी। तीरंदाजी हमारे गांव की परंपरा का हिस्सा रही है, जिसका उपयोग पहले शिकार के लिए किया जाता था। बचपन से ही मेरी इच्छा थी कि मैं भी तीरंदाजी में हिस्सा लूं। अब इस आयोजन ने मेरी इच्छा पूरी कर दी। लक्ष्मी नाग ने इसके लिए मुख्यमंत्री श्री साय का आभार भी प्रकट किया। इसी गांव की श्रीमती हिरमलता नाग ने बताया कि उन्होंने कबड्डी खेल में भाग लिया और सामूहिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। अब उनकी टीम जिला स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में खेलने के लिए चयनित हुई है, जिसे लेकर वे काफी उत्साहित हैं।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने समय-सीमा की बैठक में दिए महत्वपूर्ण निर्देश

आम जनता को संवेदनशीलता के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता सुनिश्चित करें-कलेक्टर

सुकमा(विश्व परिवार)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक में जिले के विकास और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और अन्य कल्याणकारी योजनाओं में सुधार लाने के साथ-साथ नियमित मॉनिटरिंग और फील्ड निरीक्षण पर भी जोर दिया। कलेक्टर ने बताया कि 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा और इस कार्यक्रम की व्यापक तैयारी करने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन, अपर कलेक्टर श्री गजेन्द्र सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर श्री सूरज कश्यप, एसडीएम, तहसीलदार सहित विभाग प्रमुख उपस्थित थे। कलेक्टर श्री ध्रुव ने बैठक के दौरान कहा कि जिले की आम जनता को संवेदनशील ता के साथ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए।इस दिशा में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार सहित बेहतर सेवाएं देने प्रयास करें। एनीमिया से पीड़ित महिलाओं का नियमित इलाज सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन कर संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित किया जाए और गर्भवती महिलाओं हेतु निकटवर्ती स्वास्थ्य केंद्रों में नि:शुल्क ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। मलेरिया नियंत्रण हेतु मलेरिया पॉजिटिव क्षेत्रों की पहचान कर वहां विशेष उपाय किए जाएं। स्वास्थ्य केंद्रों की नियमित कार्यप्रणाली बनाए रखने और स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री ध्रुव ने जिले में गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के पोषण को प्राथमिकता देने का निर्देश देते हुए पोषण आहार की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के आदेश दिए। कलेक्टर ने जिले के स्कूलों में स्मार्ट क्लास और लैब का संचालन शुरू करने के निर्देश दिए ताकि छात्रों को आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिल सके।

कलेक्टर जनदर्शन में पहुँचे लोगों से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कहा कि जिले के आम नागरिक अपने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु पूरे आशा और विश्वास के साथ कलेक्टर जनदर्शन में पहुँचते हैं। इसलिए हम सभी अधिकारी-कर्मचारियों का यह दायित्व बनता है कि कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त होने वाले प्रत्येक आवेदनों का परीक्षण कर पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ उसके निराकरण हेतु समुचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिससे कि आम जनता को बार-बार शासकीय कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। श्री चन्द्रवाल आज संयुक्त जिला कार्यालय के जनदर्शन कक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में पहुँचे लोगों से मुलाकात करने के उपरांत संबंधित विभाग के अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। श्री चन्द्रवाल आज जनदर्शन में पहुँचे लोगों से बारी-बारी से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्री अजय किशोर लकरा भी उपस्थित थे। जनदर्शन में आज डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम पापरा निवासी श्री भोजकुमार देशमुख ने प्रधानमंत्री आवासा योजना ग्रामीण से लाभान्वित कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर गुरूवार 14 नवंबर 2024

व्यापार समाचार

एसआईपी इनफ्लो पहली बार पच्चीस हजार करोड़ रुपए के पार

नई दिल्ली(एजेंसी)। इक्विटी म्यूचुअल फंड इनफ्लो अक्टूबर में 21.69 प्रतिशत बढ़कर 41,887 करोड़ रुपए हो गया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के डेटा के अनुसार, यह बढ़त सभी इक्विटी फंड कैटेगरी में हुई है। वहीं, सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) इनफ्लो अक्टूबर में ऑल-टाइम हाई 25,322 करोड़ रुपये रहा है। सितंबर में यह आंकड़ा 24,509 करोड़ रुपये पर था। यह पहला मौका है जब एसआईपी निवेश 25,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। अक्टूबर 2024 में एसआईपी खातों की संख्या अब तक की सबसे अधिक 10.12 करोड़ थी। सितंबर में यह 9.87 करोड़ थी। पिछले महीने नेट 24.19 लाख एसआईपी खाते जुड़े। डेटा के मुताबिक, ओपन-एंडेड म्यूचुअल फंड्स का प्रदर्शन अक्टूबर में अच्छा रहा है। यह लगातार 44वां महीना था, जब इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीमों में निवेश सकारात्मक रहा है। बीते महीने स्मॉलकैप, मिडकैप और लार्जकैप तीनों ही कैटेगरी में मजबूत निवेश हुआ है। लार्ज-कैप फंड कैटेगरी में अक्टूबर में इनफ्लो मासिक आधार पर दोगुना होकर 3,452 करोड़ रुपये रहा है। मिडकैप फंड कैटेगरी में शुद्ध निवेश मासिक आधार पर 50 प्रतिशत बढ़कर 4,683 करोड़ रुपये रहा है। स्मॉलकैप फंड कैटेगरी में इनफ्लो मासिक आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 3,772 करोड़ रुपये रहा है। म्यूचुअल फंड इनफ्लो में बढ़ोतरी ऐसे समय पर हुई है, जब शेयर बाजार का प्रदर्शन कमजोर बना हुआ है। अक्टूबर में सेंसेक्स और निफ्टी में क्रमश- 5.77 प्रतिशत और 6.22 प्रतिशत की गिरावट हुई है। सेक्टोरल और थिमैटिक फंड्स में इनफ्लो अक्टूबर में मासिक आधार पर 7 प्रतिशत गिरकर 12,279 करोड़ रुपये रहा है।

भारत में आईफोन का उत्पादन दोगुना होकर 30 अरब डॉलर होने की उम्मीद, ट्रंप होंगे वजह !

नई दिल्ली(एजेंसी)। अगले साल जनवरी में अमेरिका के नए राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने जा रहे डोनाल्ड ट्रंप अगर चीनी आयात पर भारी टैरिफ लगाने पर अमल करते हैं, तो एप्पल की ओर से इसका सीधा फायदा भारत को होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एप्पल भारत में अपने आईफोन उत्पादन में तेजी से वृद्धि कर सकता है, जो अगले दो वर्षों में संभावित रूप से सालाना 30 बिलियन डॉलर से अधिक हो सकता है। वर्तमान में भारत में एप्पल के आईफोन का उत्पादन मूल्य लगभग 15-16 बिलियन डॉलर सालाना है। ट्रंप के टैरिफ बढ़ाने के फैसले से एप्पल आईफोन का उत्पादन डबल होने की उम्मीद की जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में अपने कैंपेन के दौरान कहा था कि अगर वह चुनाव में जीत हासिल करेंगे, तो चीनी आयात पर 60 से 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। वहीं, दूसरी ओर एप्पल को भारत में पहले से अधिक मैन्युफैक्चरिंग के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। ट्रंप चीनी आयात पर टैरिफ लगाने जैसा काम इस बार नया नहीं करेंगे। इससे पहले ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान चीनी सामान पर टैरिफ लागू किया था। वहीं, जानकारों का कहना है कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान इस तरह की रणनीति एप्पल के वैश्विक उत्पादन नेटवर्क में भारत की भूमिका को अहम बना सकती है। एप्पल भारत में अपना उत्पादन किस सीमा तक बढ़ाएगा, यह काफी हद तक ट्रंप के आधिकारिक रूप से अमेरिका के राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद की कार्यवाही पर निर्भर करेगा। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एप्पल की रणनीति सफल होने के लिए, भारत सरकार की भूमिका भी अहम होगी। सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए कि आईफोन का निर्माण वियतनाम जैसे देशों की ओर शिफ्ट न हो, देश में सुधारों को जारी रखना होगा। मीडिया रिपोर्ट्स में काउंटरपॉइंट रिसर्च का भी जिक्र मिलता है।

'एचडीएफसी बैंक परिवर्तन' 2025 तक 3500 स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस स्थापित करेगा

मुंबई। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपनी सीएसआर पहल 'परिवर्तन' के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से पूरे भारत में यंग माइंड्स के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को याद करते हुए बाल दिवस मनाया। पिछले 10 वर्षों में, परिवर्तन ने 2.16 करोड़ से अधिक छात्रों के जीवन को प्रभावित किया है, 20.22 लाख से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है और 2.87 लाख से अधिक स्कूलों को सहायता प्रदान की है। बैंक ने 'लिटिल स्माइल बिग ड्रीम्सथ नामक एक डिजिटल अभियान शुरू किया है, जिसमें 'एचडीएफसी बैंक परिवर्तन' द्वारा समर्थित स्कूलों के प्रतिभाशाली युवा छात्रों को दिखाया गया है। वाराणसी जिले के जमापुर की, कलाश और कोमल की ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है, जो झारखंड के रांची के आदिवासी दिहाड़ी मजदूरों के बच्चे हैं, जिन्होंने मानसून प्रवास के दौरान यहीं रहकर नए अपग्रेड किए गए स्मार्ट स्कूल में पढ़ाई जारी रखने का फैसला किया। कभी शर्मीले और झिझकने वाले कलाश अब कक्षा 5 में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्र हैं। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन और अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन के सहयोग से, स्कूल में अब डिजिटल क्लासरूम, आधुनिक पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं और वाटर कूलर हैं। बेहतर माहौल ने वंचित समुदायों से नियमित रूप से उपस्थिति को आकर्षित किया है, और पहली बार, 148 छात्रों में लड़कियों की संख्या लड़कों से अधिक है।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने 2025 को देखते हुए, स्पष्ट उद्देश्य निर्धारित किए हैं, जो इस प्रकार हैं:

1) यह सुनिश्चित करना कि स्कूलों में 20 लाख छात्र कक्षा-उपयुक्त सीखने के स्तर को प्राप्त करें।

2) 3,500 स्कूलों में डिजिटल शिक्षा और प्रौद्योगिकी को अपनाते हुए स्मार्ट कक्षाएं स्थापित करना।

3) 25,000 वंचित छात्रों को सहायता प्रदान करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना, ताकि निरंतर शिक्षा और उज्जवल भविष्य तक पहुँच सुनिश्चित हो सके।

एचडीएफसी बैंक के उप प्रबंध निदेशक कैजाद एम भरुचा ने कहा, एचडीएफसी बैंक में हम मानते हैं कि शिक्षा हमारे समुदायों के लिए एक उज्जवल और अधिक न्यायसंगत भविष्य की आधारशिला है। 'परिवर्तन' के तहत हमारी सीएसआर पहलों के माध्यम से हम शैक्षिक बुनियादी ढांचे को बदलने, व्यक्तियों को सशक्त बनाने और लचीले समुदायों को विकसित करने में मदद करने के लिए अपना काम कर रहे हैं।

अक्टूबर महीने के प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए पाकिस्तान के नोमान अली को चुना गया

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के स्पिनर नोमान अली को अक्टूबर महीने के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा और न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनर को पीछे छोड़ते हुए ये पुरस्कार जीता है।उन्होंने पिछले महिले इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कमाल किया था।महिलाओं में कीवी टीम की अमेलिया केर ने ये पुरस्कार जीता है।आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं। नोमान ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में कहर बरपाया था। पहले टेस्ट में उन्हें मौका नहीं मिला था।आखिरी 2 टेस्ट में इस खिलाड़ी ने 13.85 की उम्दा औसत के साथ 20 विकेट झटके थे।पहले टेस्ट की पहली पारी में नोमान ने 3 विकेट और दूसरी पारी में 8 विकेट लिए थे। दूसरे टेस्ट की पहली पारी में नोमान ने 3 और दूसरी पारी में 6 विकेट लिए थे। नोमान ने ये सम्मान हासिल करने के बाद अपने साथी खिलाड़ियों और कोच का आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा, मुझे आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर बेहद खुशी है और मैं अपने सभी साथियों का बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद की, ताकि पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक घरेलू टेस्ट सीरीज जीतने में मदद मिल सके। अपने देश के लिए ऐसी यादगार जीत का हिस्सा बनना हमेशा रोमांचक होता है। रबाडा ने पिछले महीने बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उम्दा गेंदबाजी की थी। उन्होंने 2 मैचों में 14 विकेट लिए थे।सेंटनर ने भारतीय टीम के खिलाफ खेले गए दूसरे टेस्ट में घातक गेंदबाजी की थी। पहली पारी में उन्होंने 19.3 ओवर में 1 मेडन ओवर के साथ 53 रन देकर 7 विकेट लिए थे।दूसरी पारी में उन्होंने 104 रन देते हुए 6 बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया था। केर ने टी-20 विश्व कप 2024 में 6 मुकाबलों में 135 रन बनाए थे। इसके साथ 15 विकेट भी झटके थे।पुरस्कार के लिए नामित हुए लौरा वोल्वार्ड्ट ने टी-20 विश्व कप में 44.60 की शानदार औसत के साथ 223 रन बनाए थे।

पाक से छिनी मेजबानी तो सा.अफीका में खेली जाएगी चैंपियंस ट्रॉफी

हुआ बड़ा खुलासा

नईदिल्ली(एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी को लेकर बवाल मचा हुआ है. अगले साल पाकिस्तान की मेजबानी में फरवरी-मार्च में ये आईसीसी इवेंट होना है. मगर, बीसीसीआई ने भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने से साफ इनकार कर दिया गया. इसके बाद अब रिपोर्ट के हवाले से खबरें आ रही हैं कि पाकिस्तान की सरकार पीसीबी को मेजबानी छोड़ने के लिए कह सकती है. यदि ऐसा होता है तो आईसीसी किसी और देश को इसकी मेजबानी सौंपी जा सकती है. पाकिस्तान के पास चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी है. मगर, बीसीसीआई ने आईसीसी को ये बता दिया है कि वह पाकिस्तान नहीं जाएगी. इसके बाद से ही खबरें आ रही थीं कि पीसीबी आईसीसी इवेंट को हाइब्रिड मॉडल में करा सकता है. लेकिन, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इसके लिए तैयार नहीं है. अब रिपोर्ट्स में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान सरकार उसे मेजबानी से हटने के बारे में कह सकती है. इसके अलावा किसी भी आईसीसी या एशिया कप टूर्नामेंट भारत के खिलाफ खेलने से टीम को मना भी किया जा सकता है. यदि पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी करने से पीछे हटता है, तो इसमें कोई नई बात नही होगी. जी हां, ये पहला मौका नहीं होगा जब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मेजबानी गंवाई है. इससे पहले 2008 में पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करनी थी, लेकिन वह इसे आयोजित नहीं कर सके. फिर 2009 में साउथ अफ्रीका में इसे आयोजित किया गया था. अब सवाल उठता है कि यदि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी छिनती है, तो आगे टीम की कमान कौन संभालेगा. रिपोर्ट्स की मानें, तो आईसीसी ने पीसीबी को पत्र लिखकर पूछा है कि क्या हाइब्रिड मॉडल में इवेंट कराने के लिए तैयार है?

भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू के साथ मैकस्वीनी चुनौती के लिए तैयार

बीजीटी 2024-25

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी पर्थ में पहले टेस्ट मैच में अपना टेस्ट पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। वह आगामी बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान भारत के शक्तिशाली तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने के लिए आश्वस्त हैं। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के कप्तान का मानना है कि वह इस समय शीर्ष बल्लेबाजी फॉर्म में हैं। मैकस्वीनी ने 2024/25 सीजन की शुरुआत दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए 55, नाबाद 127, 37, 72 और 137 के स्कोर के साथ की है और भारत ए के खिलाफ दो अनऑफिशियल टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया ए के लिए 39, नाबाद 88, 14 और 25 रन जोड़े हैं। 25 वर्षीय खिलाड़ी को आधिकारिक तौर पर 22 नवंबर से पर्थ में भारत के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए उस्मान ख्वाजा के सलामी जोड़ीदार के रूप में घोषित किया गया था। मैकस्वीनी ने एसईएन रेडियो से कहा, पिछले एक महीने में मुझे वाकई ऐसा लग रहा है कि मैं अब तक की सबसे अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। मुझे लगता है कि मैं इस अवसर को लेने के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हूं, इसलिए उम्मीद है कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि मुझे बहुत कुछ सीखने और अनुभव करने को मिला है। मैं टेस्ट क्रिकेट की चुनौतियों के बारे में सब कुछ सीखने और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ अपने खेल को चुनौती देने के लिए उत्सुक हूं। मुझे बहुत कुछ सीखने और सुधार करने की उम्मीद है, लेकिन मुझे निश्चित रूप से लगता है कि यह मेरा अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है और मैं चुनौती के लिए तैयार हूं।

एक्सिस बैंक ने प्रतिभा विकास और कौशल निर्माण के लिए की अड्डा 247 से साझेदारी

नागपुर(एजेंसी)। भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने कौशल निर्माण से जुड़ी पहलों के ज़रिए टैलेंट (प्रतिभा) पाइपलाइन विकसित करने के लिए अड्डा247 के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। इस गठजोड़ का उद्देश्य है बिक्री, संपर्क प्रबंधन और अन्य ग्राहक संपर्क वाली भूमिकाओं में एक्सिस बैंक के लिए युवाओं को उच्च-गुणवत्ता और नौकरी के लिए तैयार करना। इस साझेदारी के माध्यम से एक्सिस बैंक और अड्डा247 कई पहलों की शुरुआत करेंगे जिनका उद्देश्य अगली पीढ़ी के कुशल बैंकरों की भर्ती, पोषण और निर्माण करना है। ये पहल एक सह-निर्मित और उद्देश्यपूर्ण शिक्षा अनुभव प्रदान करेगी, जो युवा पेशेवरों के लिए इस क्षेत्र से जुड़ी आवश्यक जानकारी और कौशल पर केंद्रित होगा ताकि वे एक्सिस बैंक में सफल करियर बना सकें। सीखने की प्रक्रियाओं को दोनों संगठनों द्वारा मिलकर इस तरह से बनाया गया है कि वे बैंकिंग में ग्राहक बिक्री और सेवा के अलग-अलग हालातों का गहराई से अभ्यास करवा सकें। इसके अलावा, इसमें ऐसे सिमुलेशन शामिल हैं जो वास्तविक दुनिया में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सीखने और अनुभव को तेज करने में मदद करते हैं। एक्सिस बैंक के प्रेसिडेंट एंड हेड -ह्यूमन रिसोर्स, राजकमल वेम्पति ने कहा एक्सिस बैंक में, हम युवाओं को निखारने पर विश्वास करते हैं। टैलेंट का परिदृश्य बदल रहा है, और हम युवा कर्मचारियों तक पहुंच बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, चाहे वे कहीं भी हों। अड्डा 247 ने अपनी प्रमुख डिजिटल उपस्थिति के ज़रिए टैलेंट विकसित करने की दिशा में काफी प्रगति की है।

रणजी ट्रॉफी 2024-25 : मोहम्मद शमी की वापसी का हुआ एलान

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी रणजी ट्रॉफी 2024-25 के जरिए मैदान में वापसी करने के लिए तैयार हैं।ऐसी खबर है कि वह 13 नवंबर से मध्यप्रदेश क्रिकेट टीम के खिलाफ होने वाले मैच में बंगाल की टीम से खेलते दिखेंगे।बता दें कि शमी वनडे विश्व कप 2023 के बाद से चोट के चलते किसी तरह के पेशेवर मैचों में नहीं खेले हैं।आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं। बंगाल क्रिकेट संघ के सचिव नरेश ओझा ने शमी की वापसी की जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, ओझा ने एक बयान में कहा, शमी बुधवार से इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी मैच में बंगाल के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे।नेशनल क्रिकेट अकादमी ने उन्हें खेलने की अनुमति दे दी है। चोट संबंधी चिंताओं के कारण वह रणजी ट्रॉफी के शुरुआती मैचों में भाग नहीं ले पाए थे। शमी के सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान वापसी की उम्मीद थी और उन्हें सीजन की शुरूआती दलीप ट्रॉफी के लिए भी चुना गया था।हालांकि, बाएं घुटने में सूजन के कारण उन्हें ठीक होने में देरी हुई। इन चुनौतियों के बावजूद शमी अपनी वापसी को लेकर आशान्वित हैं।पिछले 6 महीनों में से अधिकांश समय उन्होंने बेंगलुरु की नेशनल क्रिकेट एकेडमी में ही बिताया।

अपोलो कैंसर कॉन्क्लेव 2024 ने वैश्विक निपुणता और इनोवेशन के ज़रिए कैंसर देखभाल को उन्नत किया

बिलासपुर : अपोलो कैंसर सेंटर, मुंबई द्वारा आयोजित अपोलो कैंसर कॉन्क्लेव का 7वां एडिशन मुंबई के बीकेसी में जिओ वर्ल्ड कन्वेन्शन सेंटर में संपन्न हुआ। भारत भर से 2,000 से अधिक ऑन्कोलॉजिस्ट और 450 से ज़्यादा इंटरनेशनल स्पीकर ने इसमें हिस्सा लिया, जिनमें मशहूर ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ, स्वास्थ्य देखभाल में अग्रणी और क्लिनिकल रिसर्चर शामिल थे। इस कार्यक्रम ने कैंसर देखभाल में नवीनतम प्रगति और नवाचारों पर चर्चा करने, आधुनिक उपचार प्रथाओं को सटीक ऑन्कोलॉजी के साथ जोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया। 8 से 10 नवंबर तक मुंबई में संपन्न हुआ यह सम्मलेन, स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के प्रोफेशनल्स के लिए पैनल चर्चा, कार्यशालाओं और रिसर्च प्रेज़ेंटेशन में भाग लेने के लिए यह एक प्रभावशाली मंच बना। इसमें कैंसर देखभाल के पहले से चले आ रहे उपचारों और प्रबंधन रणनीतियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। भारत में 2022 में कैंसर के 1.41 मिलियन नए मामले आए थे, यह आंकड़ें बढ़कर 2050 में 2.69 मिलियन होने की उम्मीद है। इस खतरनाक अनुमान के साथ, रोकथाम कैंसर महामारी के लिए बहुत ही ज़रूरी बन गई है इस बात पर सम्मलेन में प्रकाश डाला गया। दुनिया भर के विशेषज्ञ ज़ोर दे रहे हैं कि बीमारी को होने से रोकना ही कैंसर के बढ़ते मामलों का प्रभावी समाधान है। दुनिया भर के देशों के बीच सहयोग, ज्ञान और जानकारी के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और नई प्रथाओं को अपनाने पर इस सम्मलेन में ज़ोर दिया गया, इस बात ने रोकथाम-केंद्रित नैदानिक रणनीतियों को आगे बढ़ाने के लिए सम्मलेन की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। 100 से ज़्यादा सेशन और कई इंटरैक्टिव चर्चाओं के साथ, अपोलो कैंसर कॉन्क्लेव 2024 उन ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञों के लिए स्वास्थ्य सेवा कैलेंडर में साल का बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम बन चूका है, जो कैंसर से अधिक प्रभावी ढंग से और सहानुभूतिपूर्वक लड़ने के लिए समर्पित हैं। सम्मेलन में सात अंग-विशिष्ट ऑन्कोलॉजी ट्रैक शामिल थे, जिनमें विशेषज्ञ वक्ताओं ने भाग लिया और प्रभावशाली चर्चाएं हुई।

सैमसंग इनोवेशन कैम्पस ने 3500 युवाओं को तकनीकी कौशल में प्रशिक्षित कर 2024 प्रोग्राम सफलतापूर्वक पूरा किया

गुरुग्राम: सैमसंग इंडिया ने साल 2024 के सैमसंग इनोवेशन कैम्पयस (एसआईसी) प्रोग्राम के तहत 3500 विद्यार्थियों को प्रमाणित करने का काम पूरा कर लिया है। सैमसंग इनोवेशन कैम्पिस भारत सरकार की #SkillIndia और #DigitalIndia पहलों के अनुरूप है और इसका फोकस युवाओं की नौकरी करने की योग्याता को बढ़ाने पर है। इसके अंतर्गत उन्हें तकनीकी के अधिक मांग वाले क्षेत्रों जैसे कि एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्सर, बिग डेटा और कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग में प्रशिक्षित किया जाता है। वर्ष 2024 में सैमसंग की प्रमुख सीएसआर पहल ने 3500 विद्यार्थियों को शामिल करते हुए अपनी पहुँच बढ़ाई, जबकि 2023 में 3000 विद्यार्थियों को इसमें शामिल किया गया था। इसमें एसआईसी प्रमाणन के 12 इवेंट्स हुए थे, जिनका आयोजन उत्तयर प्रदेश, दिल्लीक एनसीआर, तमिलनाडु और कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थाबनों में हुआ था। एसआईसी के अंतर्गत कोर्सेस छह यूनिवर्सिटीज और एक नेशनल स्किलिंग इंस्टिट्यूट में चले। सैमसंग साउथवेस्ट् एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, ''एआई नई-नई टेक्नोंलॉजी वाले जमाने की शुरूआत करते हुए हमारी जिन्दिगी को बदलने के लिये तैयार है। ऐसे में आज के युवाओं को शामिल करना और बेहतर भविष्यम बनाने के लिये उनकी क्षमता का इस्ते माल करना आवश्यआक है। सैमसंग इनोवेशन कैम्पऔस के माध्यषम से हम भारतीय युवाओं में कौशल की कमी को दूर करना चाहते हैं, ताकि वे भविष्य में नई-नई खोज कर सकें। यह प्रोग्राम भारत के विकास की गाथा, स्किल इंडिया और डिजिटल इंडिया का एक मजबूत भागीदार एवं योगदान देने वाला बनने के लिये सैमसंग की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।'' उत्कृष्टनता के लिये सैमसंग द्वारा लगातार प्रोत्सा हन दिये जाने के तहत इन शै ?क्षणिक संस्थीनों में हर डोमेन के टॉपर्स को अब 1 लाख रूपये का नगद पुरस्कागर और सैमसंग के प्रोडक्टक दिये जाएंगे। चुनिंदा नेशनल टॉपर्स को दिल्ली एनसीआर में सैमसंग की अत्याधुनिक फैसिलिटीज पर जाने का मौका मिलेगा, ताकि वे कंपनी के लीडर्स से मिल सकें।

पीएम आवास योजना के लिए कार्यालय में कर सकते हैं आवेदन

रायपुर (विसं)। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 क्रियान्वित किया जाना है, जिसमें वार्ड वॉर पूरी निकाय क्षेत्र का सर्वे किया जाना है जो कि 15 नवंबर से प्रारंभ कर 10 दिसंबर तक पूर्ण करना है। राज्य सरकार के निर्देशानुसार निकाय स्तर पर एक समिति का गठन कर अनुमोदन कराकर जिला स्तरीय समिति के अनुमोदन पश्चात राज्य सरकार को भेजा जाएगा। प्रत्येक वार्ड से हितग्राहियों का आवेदन आमंत्रित किया जाना है, अपना आवेदन स्वयं वेब पोर्टल लिंक के माध्यम से कर सकते हैं या डाटा सेंटर में प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यालय में आकर अपना आवेदन कर सकते हैं, जिसके लिए आवश्यक दस्तावेज आवेदक एवं परिवार के सादस्यो का आधार कार्ड का विवरण, आधार कार्ड, सक्रिय बैंक खाता, आय एवं जाति प्रमाण पत्र एवं भूमि दस्तावेज है।

सौ.का. रितिका संग चि. लक्ष्य का विवाह उत्सव सौल्लास सम्पन्न

भिलाई (विश्व परिवार)। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी आशीर्वाद जैनको टेंट हाउस एवं श्री विद्यासागर जैनको बैंक्विट हॉल के संचालक श्री राजीव जैन (पप्पू भैया) एवं श्रीमती उषा जैन की सुपुत्री सौ.का. रितिका का शुभ पाणिग्रहण संस्कार डॉ. आलोक जैन श्रीमती अर्चना जैन दुर्ग के सुपुत्र चि. लक्ष्य के साथ गत दिवस आशीर्वाद भवन, मैत्री कुंज रिसाली भिलाई में सौल्लास संपन्न हुआ।

इस अवसर पर राजनेताओं, समाजसेवियों, व्यापारियों, अधिकारियों, पत्रकारों एवं सगे संबंधी जनों सहभागिता कर नव दंपति को अपनी शुभकांमनाऐ भेंट की।

दैनिक विश्व परिवार 'परिवार' नवदंपति के भावी यशस्वी एवं सुखी जीवन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने डॉ अभिमन्यु आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का किया शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ का पहला आयुर्वेदिक हॉस्पिटल डॉ अभिमन्यु आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का भव्य शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया। इस अवसर पर भाजपा संगठन मंत्री श्री पवन साय, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक संदीप साहू, विधायक इंद्र कुमार साहू, पूर्व विधायक खेल साय सिंह सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे।इस अवसर पर श्याम बिहारी जायसवाल ने हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ अभिमन्यु साहू एव उनकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि अब लोगो का रुझान आयुर्वेद की ओर तेजी से बढ़ रहा है उसमे ये हॉस्पिटल मिल का पत्थर साबित होगा, डॉ अभिमन्यु आयुर्वेद के क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रहे है बहुत ही कम समय मे उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बना ली है मैं उम्मीद करता हूँ वाला समय में यह हॉस्पिटल मिल का पत्थर साबित होगा और डॉ अभिमन्यु और उनकी टीम इसी तरह निःस्वार्थ मरीज़ों की सेवा करती रहेगी।

ज्ञात रहे यह हॉस्पिटल 20 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल है यहाँ पेन, पाइल्स, पंचकर्म, पीडिया, गायनी व स्किन संबंधी समस्त रोगों के उपचार की सुविधा उपलब्ध रहेगी, फिजियोथेरेपी की भी सुविधा उपलब्ध रहेगी। यह हॉस्पिटल सर्वसुविधायुक्त है यहां प्राचीन आयुर्वेदिक पद्धतियां जैसे पंचकर्म, शिरोधारा, क्षारसूत्र, लेज़र आदि की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। हॉस्पिटल में डीलक्स रूम, प्राइवेट रूम, सेमी प्राइवेट रूम, पैथ लैब, माइनर ओ.टी., मेडिकल आदि की सुविधाएँ उपलब्ध रहेगी, यह हॉस्पिटल मरीज़ों की सेवा में 24×7 तत्पर रहेगा।

मुख्यमंत्री आज छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 का करेंगे विमोचन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 14 नवम्बर को शाम 6.30 बजे नवा रायपुर अटल नगर स्थित मेफेयर लेक रिसार्ट में आयोजित कार्यक्रम में राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 का विमोचन करेंगे। उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। उप मुख्यमंत्री द्वय श्री अरूण साव और श्री विजय शर्मा कार्यक्रम में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, खेल मंत्री श्री टंकराम वर्मा, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। गौरतलब है कि 28 अक्टूबर को आयोजित केबिनेट बैठक में छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-2030 मंजूर की गई थी। इसमें छत्तीसगढ़ सरकार ने भारत सरकार के विजन 2047 की परिकल्पना को साकार करने तथा राज्य के औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से कई प्रावधान किए हैं। राज्य के प्रशिक्षित व्यक्तियों को औपचारिक रोजगार में परिवर्तित करने के लिए उद्योगों हेतु प्रति व्यक्ति 15 हजार रूपए की प्रशिक्षण वृत्ति प्रतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने आईपीएस अधिकारी जीपी सिंह पर दर्ज सभी मामलों को किया निरस्त

रायपुर (विसं। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से आईपीएस अधिकारी जीपी सिंह को बड़ी राहत मिली है। आय से अधिक संपत्ति, देशद्रोह और ब्लैकमेलिंग मामले में दर्ज तीनों एफआईआर को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की बेंच ने रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि, उन्हें परेशान करने के लिए झूठे मामलों में फंसाया गया है। किसी भी मामले में उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है।

बता दें कि 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी जीपी सिंह के खिलाफ 2021 में एसीबी ने सरकारी आवास सहित कई ठिकानों पर छापेमारी कर 10 करोड़ की अघोषित संपत्ति और कई संवेदनशील दस्तावेज़ बरामद किए थे। जीपी सिंह पर राजद्रोह का केस दर्ज किया गया था, जिसमें उन पर सरकार गिराने की साजिश रचने का आरोप था।

छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ को मिला नया अध्यक्ष, जीएस बाबरा बने छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के चेयरमैन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के प्रबंध कार्यकारणी की बैठक आज दिनांक 13 11.2024 को kingsway होटल रायपुर में आयोजित किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के कार्यकारिणी के द्वारा विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की गई जिसमें बस्तर मैराथन की सफलता प्रथम राज्य स्तरीय मास्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में चर्चा आगामी होने वाले क्रॉस कंट्री एवं छत्तीसगढ़ के जिलों के मान्यता के संबंध में विस्तृत रूप से सभी सदस्यों के बीच चर्चा की गई और खिलाड़ियों के खेल और विकास के लिए चर्चा की गई तत्पश्चात जीएस बांबरा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ एथलेटिक संघ ने अपना अध्यक्ष पद त्याग कर नए अध्यक्ष के रूप में महेंद्र आहूजा का चुनाव किया जिसे सभी सदस्य ने स्वीकार किया एवं छत्तीसगढ़ एथलेटिक संघ में उपाध्यक्ष के रूप में सौरभ लूनिया का चुनाव किया गया यह कार्यकारिणी 2027 तक अपना कार्य छत्तीसगढ़ एथलेटिक संघ के रूप में करते रहेगी।

दिसंबर में होने वाली राज्य स्तरीय क्रॉस कंट्री जो कि राजनांदगांव में एवं मास्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता जो कि रायपुर में आयोजित करने पर सहमति हुई जिसकी सूचनाएं खिलाड़ियों को जल्दी वेबसाइट के माध्यम से दी जाएगी। कुछ देर बाद आम सभा भी की की गई जिसमें विधायक श्री रिकेश सेन मौजूद रहे और उनका सम्मान सभी के द्वारा किया गया इस अवसर पर अपने उद्बोधन में विधायक जी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में एथलेटिक्स को बढ़ाने के लिए जो भी प्रयास हमे करना होगा हम सब मिलकर प्रयास करेंगे और जो नशे और अपराध की दुनिया पर है ऐसे लोगो को भी इस खेल में लेकर आएंगे ताकि उनका भी विकास हो सके और खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अच्छे प्रदर्शन करके छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर सके, तत्पश्चात नवनिर्मित अध्यक्ष महेंद्र आहुजा ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को हम सब मिलकर आगे बढ़ाएंगे और एथलेटिक्स के खेल के लिए जो भी साधन की व्यवस्था हमे करने की जरूरत हो सब मिलकर करेंगे। इस उद्बोधन के पश्चात नवनिर्मित उपाध्यक्ष सौरव लूनिया ने कहा कि खेल का माहौल है जिसे छत्तीसगढ़ सरकार खेल को आगे बढ़ाया है और खेल के लिए पर्याप्त अनुदान दी गई है सरकार का प्रयास सभी खेल के साथ साथ एथलेटिक्स खेल को बढ़ाना है और इस प्रयास में हम सभी छत्तीसगढ़ के एथलेटिक्स खेल के प्रेमी इस खेल को बढ़ाने के लिए तत्पर रहेंगे

अंत में अध्यक्ष से चेयरमैन बने जीएस बांबरा ने कहा वह हमेशा छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स से जुड़े रहेंगे और अपना पूरा मार्गदर्शन छत्तीसगढ़ एथलेटिक संघ को और खिलाड़ियों को देते रहेंगे जो भी प्रयास उन्हें छत्तीसगढ़ में एथलेटिक्स को बढ़ाने के लिए करना पड़ेगा सारी प्रयास वह करेंगे ताकि छत्तीसगढ़ में खिलाड़ियों का विकास हो सके खेल के मैदान का विकास हो सके और खेलों को बढ़ावा मिल सके।

इस अवसर पर आज छत्तीसगढ़ एथलेटिक संघ के सदस्य मौजूद रहे जिसमें छत्तीसगढ़ एथलेटिक संघ के नए चेयरमेन जी एस बांबरा, छत्तीसगढ़ एथलेटिक संघ के नए अध्यक्ष महेंद्र आहूजा सचिव अमरनाथ सिंह, कोषाध्यक्ष जगपाल सिंह, जी रवि राजा, रवि धनगर श्रीमती रितिका यादव, हिमांशु चंद्राकर, हेमंत सिंह परिहार, पी जी जय कृष्णन, सुशील मिश्रा, सुरेश कुमार, अरुण पाल, देवेंद्र राठौर, सौरभ लूनिया, वेणु गोपाल, के श्रीनू, शरद पारकर, गोविंद राव आदि मौजूद रहे।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने तीन दिवसीय भारत एजुकेशन एक्सपो 2024 नोएडा उत्तरप्रदेश में भाग लिया

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत एजुकेशन एक्सपो 2024 शिक्षा क्षेत्र का एक भव्य संगम है और छात्रों, विद्वानों और शिक्षा पेशेवरों के लिए किसी तीर्थ स्थल से कम नहीं है ज.श्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री उत्तरप्रदेश जैसे-जैसे हमारी जरूरतें और समस्याएं बदलते समय के साथ बदलती हैं, शिक्षा प्रणाली में भी बदलाव अपरिहार्य हैज प्रो. डी.पी. सिंह पूर्व यूजीसी अध्यक्ष और टीआईएसएस चांसलर उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने भारत एजुकेशन एक्सपो 2024 के उद्घाटन में कहा कि उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण (जीएनआईडीए) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम ,भारत में शिक्षा क्षेत्र के भविष्य के बारे में जानने के लिए एक शक्तिशाली मंच है। इंडिया एजुकेशन एक्सपो 2024 शिक्षा क्षेत्र का एक भव्य संगम है और छात्रों, विद्वानों और शिक्षा पेशेवरों के लिए किसी तीर्थ स्थल से कम नहीं है।

उद्घाटन कार्यक्रम के विशेष अतिथि प्रो. डी.पी. सिंह, पूर्व यूजीसी अध्यक्ष एवं टी.आई.एस.एस. चांसलर ने शिक्षा प्रणाली एवं नीतियों के बारे में जोर देते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की घोषणा से पूर्व वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने मिलकर वैश्विक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए 17 नए सतत विकास लक्ष्य तैयार किए थे, जिनका उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, समानता, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक विकास एवं वैश्विक सहयोग पर ध्यान केन्द्रित करते हुए मानवता एवं प्रकृति के संतुलित विकास हेतु एक समग्र योजना तैयार करना था। भारत भी इन लक्ष्यों पर हस्ताक्षरकर्ता रहा है तथा हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी नीतियों एवं कार्यों में इन लक्ष्यों को प्रभावी रूप से अपनाएं। हालांकि, एक बड़ी चुनौती यह है कि नागरिकों में सतत विकास लक्ष्यों के प्रति जिम्मेदारी की भावना कैसे उत्पन्न की जाए, क्योंकि दुनिया भर में लोग विभिन्न सीमाओं, जाति, पंथ आदि के आधार पर विभाजित हैं। इस विभाजन के कारण लोग प्राय: एक-दूसरे से अलग-थलग महसूस करते हैं तथा वैश्विक समस्याओं के प्रति उनकी जिम्मेदारी की भावना कमजोर होती है।

प्रेस क्लब ने अपना एक अविभावक खो दिया

वरिष्ठ पत्रकार गोपाल वोरा के निधन पर रायपुर प्रेस क्लब ने जताया गहरा शोक

रायपुर (विश्व परिवार)। वरिष्ठ पत्रकार एवं रायपुर प्रेस क्लब के संस्थापक सदस्य गोपाल वोरा (81 वर्ष) का बुधवार, 13 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी मुक्तिधाम में किया गया।

श्री वोरा राजधानी से प्रकाशित विभिन्न समाचार पत्रों में अपनी सेवाएं दी हैं। छत्तीसगढ़ में पत्रकारों की सबसे प्रतिष्ठित संस्था रायपुर प्रेस क्लब के वे दो बार (1975-77 एवं 1982-84) महासचिव रहे। रायपुर प्रेस क्लब ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर ने कहा कि प्रेस क्लब ने अपना एक अविभावक खो दिया है। प्रेस क्लब के वरिष्ठ मानद सदस्य श्री वोरा का मार्गदर्शन हमेशा प्रेस क्लब और पत्रकारों को मिलता रहा है। श्री वोरा पत्रकारिता जीवन मे लंबे समय तक सक्रिय रहे। उनकी सक्रियता दूसरों में भी ऊर्जा का संचार करती थी। उनके निधन से जो अपूर्णीय क्षति हुई है, उसकी भरपाई नहीं हो सकती। प्रेस क्लब महासचिव डॉ. वैभव शिव पाण्डेय ने कहा कि श्री वोरा पत्रकारिता के पितामह थे। उन्होंने जिस तरह की पत्रकारिता की वह आज के समय में दुर्लभ है। उनकी पत्रकारिता और सादगीपूर्ण जीवन हमेशा पत्रकारों को प्रेरणा देता रहेगा। प्रेस क्लब उपाध्यक्ष संदीप शुक्ला, कोषाध्यक्ष रमन हलवाई, संयुक्त सचिव तृप्ति सोनी, अरविंद सोनवानी सहित सभी सदस्यों ने श्री वोरा के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। साथ ही उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

मुख्यमंत्री साय ने गोपाल वोरा के निधन पर शोक व्यक्त किया

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर के वरिष्ठ पत्रकार श्री गोपाल वोरा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने श्री वोरा के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ पत्रकार श्री गोपाल वोरा का आज सवेरे रायपुर में निधन हो गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री गोपाल वोरा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने दैनिक नवभारत, देशबंधु और लोकमत जैसे विभिन्न समाचार पत्रों में कुशलतापूर्वक अपने पत्रकारीय दायित्वों का निर्वहन किया। उन्होंने अपनी सक्रिय पत्रकारिता से लंबे समय तक रायपुर और प्रदेशवासियों को देश-दुनिया की खबरों से रू-ब-रू कराया। उनके निधन से रायपुर ने पत्रकारिता जगत का एक प्रमुख चेहरा खो दिया है।

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण की विवरणियाँ स्वयं भरने हेतु रायपुर में एनएसओ द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय के परिसर मे वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण 2023-2024 में चयनित इकाइयों के स्वामी/ प्रबंधक/ लेखा विभाग को अपनी विवरणियाँ स्वयं भरने के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला अयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्घाटन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रायपुर के उप महानिदेशक श्री अल्ताफ हुसैन हाजी ने किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उप महानिदेशक श्री अल्ताफ हुसैन हाजी ने प्रतिभागियों को इस कार्यशाला के महत्व एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए आहवान किया कि वे राष्ट्र हित के इस महत्वपूर्ण कार्य में अपना योगदान देते हुए अपनी इकाइयों की विवरणियाँ वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण के पोर्टल पर स्वयं संपूरित करने का प्रयास करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक इकाई को आबंटित आई.डी. एवं पासवर्ड का उपयोग कर अपने उद्योग से सम्बंधित जानकारी निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें जिससे देश की औद्योगिक गतिविधियों एवं प्रगति की सही जानकारी समय पर प्राप्त हो सके। उन्होंने औद्योगिक इकाइयों को आश्वस्त किया कि इस कार्य में उन्हें किसी तरह की कठिनाइयाँ आने पर विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हें मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जाएगा। श्री ऋषभ सिंह श्याम, सहायक निदेशक, उप क्षेत्रीय कार्यालय, बिलासपुर ने भी संबोधित किया। इस कार्यक्रम में श्री कमलेश घोष, डायरेक्टर, महेन्द्रा इस्पात एण्ड पावर लिमिटेड सिलतरा, श्री आकाश सुंदरानी डी.जी.एम., वंदना ग्लोबल लिमिटेड, सिलतरा एवं श्री संजय चौहान दयाल जी मेघजी एण्ड कंपनी रायपुर ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर के श्री आर के श्रीवास्तव, श्री ओ.पी. साहू, श्री आर. एन. सोनी, श्री एस के राणा, श्री अनूप बा, श्री रोशन कुमार, श्री हेमंत बिरजे, श्री भिरोज लेन्का, श्री धनंजय, श्री जीतू रजक (वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारीगण) एवं उप क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग से श्री यासीन अली, श्री श्रीनि ई, श्री विजय कुमार राखोंडे, (वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारीगण) ने उपस्थित इकाइयों के प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन किया। इस कार्यक्रम में वंदना इस्पात प्राइवेट लिमिटेड, गोदावरी पावर एण्ड इस्पात प्राइवेट लिमिटेड, अल्ट्राटेक सिमेन्ट लिमिटेड, एस बी टी स्पिनटेक्स प्राइवेट लिमिटेड, मिशन मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, अपोलो पाइप्स लिमिटेड, अनिमेष इस्पात प्राइवेट लिमिटेड, नीरज पावर प्राइवेट लिमिटेड, जायका ऑटोमोबाईल सहित विभिन्न इकाइयों के प्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर अपनी विवरणियाँ स्वयं पूर्ण करने हेतु प्रशिक्षण में भाग लिया। कार्यशाला के अंत में श्री आर के श्रीवास्तव, वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी द्वारा औद्योगिक इकाईयों से पधारे प्रतिनिधियों का कार्यशाला में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

उल्लेखनीय हैं कि उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण उत्पादन, मुल्यवर्धन, रोजगार, पूँजीनिर्माण और अन्य मापदंडों के संदर्भ में विभिन्न -विभिन्न निर्माण उद्योगों के संयोजन विकास और संरचना में बदलाव की गतिविधियों के बारे में सार्थक जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से किया जाता हैं।

बॉलीवुड फिल्म अभिनेता भगवान तिवारी ने कलिंगा विश्वविद्यालय के छात्रों को किया प्रेरित

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में जन्मे बॉलीवुड फिल्म अभिनेता श्री भगवान तिवारी, जो 'रईस' (इंस्पेक्टर देवजी के रूप में) और 'मसान' (इंस्पेक्टर मिश्रा के रूप में) जैसी लोकप्रिय फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं, ने आज कलिंगा विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस इंटरएक्टिव सत्र में कला एवं मानविकी, बी.ए. फिल्म मेकिंग, बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन और बैचलर ऑफ कॉमर्स विभागों के विद्यार्थी उपस्थित थे।

अभिनेता भगवान तिवारी का विश्वविद्यालय में श्री अभिषेक शर्मा, निदेशक प्रवेश और मार्केटिंग द्वारा पारंपरिक तिलक और साफा से स्वागत किया गया। उन्हें पॉटेड प्लांट, श्रीफल और शॉल के साथ माननीय अतिथियों द्वारा सभागार में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद श्री भगवान तिवारी की उपलब्धियों को उजागर करने वाला संक्षिप्त परिचय और उनके फिल्मी संग्रह का दो मिनट का विडियो प्रदर्शित किया गया।

सत्र के दौरान, श्री तिवारी ने बॉलीवुड में अपनी यात्रा और संघर्ष की कहानी साझा की, जिसमें उनके बचपन के कई यादगार क्षण शामिल थे। उन्होंने छात्रों को शिक्षा और समय प्रबंधन के महत्व पर प्रेरणादायक भाषण दिया, उन्हें जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को अपने सपनों के लिए एक शेड्यूल बनाने और उसे समर्पण और जुनून के साथ कार्यान्वित करने की सलाह दी।

सत्र में श्री नितेश झा, निदेशक NIIRA एजुकॉम द्वारा छात्रों के लिए करियर के अवसरों पर चर्चा भी शामिल थी, जिसके बाद प्रश्नोत्तर सत्र हुआ जिसमें छात्रों ने श्री तिवारी के साथ बातचीत की और अपने सवालों का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में, श्री तिवारी को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इसके बाद उन्होंने कैंपस का दौरा किया और छात्रों के लिए विकसित इन्फ्रास्ट्रक्चर की सराहना की।

एमबीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अलीशा यादव ने समारोह का संचालन किया। सोशल मीडिया प्रेरक श्री पीयूष के रॉय का स्वागत भी श्री अभिषेक शर्मा द्वारा किया गया। प्रसिद्ध सोशल मीडिया प्रेरक श्री पीयूष के रॉय ने व्यक्तिगत विकास, प्रेरणा और सकारात्मक सोच पर अपने प्रभावशाली संदेशों के लिए व्यापक पहचान हासिल की है। विभिन्न प्लेटफार्मों पर उनकी प्रभावशाली फैन फॉलोइंग है, और उनकी मार्गदर्शन के लिए उन्हें एक बड़ी संख्या में लोग फॉलो करते हैं। श्री रॉय की उपलब्धियों में कई प्रेरणादायक वार्ताएँ देना, प्रमुख इंफ्लुएंसर्स के साथ सहयोग करना, और हजारों लोगों को अपने कंटेंट के माध्यम से प्रेरित करना शामिल है। युवा सशक्तिकरण और आत्मविश्वास पर उनके संदेश उन्हें छात्रों और युवा पेशेवरों के बीच बेहद लोकप्रिय बना रहे हैं।

अन्य उपस्थित लोगों में हुड्डुक्रू एडुकॉम से श्री सुशांत शर्मा और सुश्री गीता शर्मा, मार्केटिंग मैनेजर श्री जे विशाल, कला और मानविकी विभाग के संकाय सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र शामिल थे।

कैंसर सर्जरी
पश्चात अंगों का
पुन:निर्माण
(जबड़ा, स्तन व अन्य)
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कास्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता
ONLYTDS.COM
ITR GST
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न | Food Licence
इन्कम TAX फाईल | M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड | प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस | डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354